● वर्ष : 17 ● अंक : 89 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 16 जनवरी 2026

भारत में लोकतंत्र का अर्थ अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना : पीएम

28वें कॉमनवेल्थ स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत में लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ अंतिम पंक्ति तक लाभ की पहुंच है। उन्होंने कहा कि सरकार लोक कल्याण की भावना से बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक के लिए कार्य कर रही है और इसी कारण बीते कुछ वर्षों में देश में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को संसद भवन परिसर स्थित संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में यह सम्मेलन हो रहा है, वह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। गुलामी के अंतिम वर्षों में, जब भारत की स्वतंत्रता तय हो चुकी थी, उसी समय इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान सभा की बैठकें हुई थीं। स्वतंत्रता के बाद लगभग 75 वर्षों तक यह भवन भारत की संसद रहा, जहां देश के भविष्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय और चर्चाएं हुईं। अब इस लोकतंत्र को समर्पित ऐतिहासिक स्थल को संविधान सदन का नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चौथा अवसर है जब राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन भारत में आयोजित हो रहा है। इस बार सम्मेलन का मुख्य विषय संसदीय लोकतंत्र की प्रभावी कार्यप्रणाली और जनकल्याण तक उसकी पहुंच है। उन्होंने संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अध्यक्ष का कार्य स्वयं अधिक बोलना नहीं, बल्कि दूसरों की बात सुनना और सभी को समान अवसर देना होता है। अध्यक्षों का धैर्य ही लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखता है और वे शोरगुल या अत्यधिक उत्साही सदस्यों को भी मुस्कान के साथ संभालते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता के समय कई लोगों को संदेह था कि इतनी विविधताओं वाला देश लोकतंत्र को सफलतापूर्वक चला पाएगा या नहीं, लेकिन भारत ने अपनी विविधता को लोकतंत्र की शक्ति बना दिया। भारत ने यह सिद्ध किया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं विकास को स्थिरता, गति और व्यापक विस्तार प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। भारत में विकसित एकीकृत भुगतान प्रणाली आज दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान व्यवस्था बन चुकी है। भारत वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा टीका उत्पादक देश है और इस्पात उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवाचार और स्टार्टअप परिवेश है।

प्रधानमंत्री ने पोंगल पर काशी-तमिल संगमम को सांस्कृतिक एकता का उदाहरण बताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पोंगल के अवसर पर काशी-तमिल संगमम के विस्तार को देश की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल आज परंपराओं, भाषाओं और समुदायों को जोड़ने वाला एक सशक्त मंच बन चुकी है, जिसने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और गहराई दी है। प्रधानमंत्री ने तमिल भाषा में लिखे अपने लेख में कहा कि काशी-तमिल संगमम भारत की विविधता में निहित एकता का जीवंत उदाहरण है, जो सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच आपसी समझ और सम्मान को मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलग-अलग पोस्ट्स में कहा कि काशी-तमिल संगमम भारत की विविधता में निहित एकता का जीवंत उदाहरण है। यह पहल सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच आपसी समझ और सम्मान को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी सोमनाथ यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दौरान उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों से बातचीत की, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम जैसी पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पोंगल के विशेष अवसर पर काशी-तमिल संगमम की यात्रा और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त बनाने में इसकी भूमिका पर विचार साझा करना उनके लिए विशेष रहा। इस पहल ने यह दिखाया है कि सांस्कृतिक संपर्क किस प्रकार राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री ने तमिल भाषा में लिखे अपने लेख में काशी-तमिल संगमम की पृष्ठभूमि और इसके ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सोमनाथ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इतिहास, संस्कृति और भारतीय समाज की साझा चेतना के प्रति लोगों का सम्मान स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

ट्रंप के दौर में अमेरिका का लोकतंत्र खतरे में?

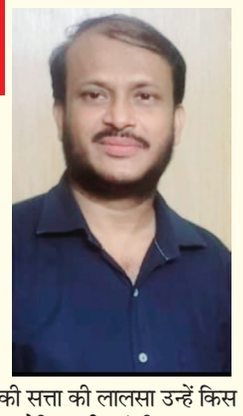

अमेरिका लंबे समय से स्वयं को दुनिया के सबसे मजबूत आर्थिक एवं लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद से उनकी छवि पर गंभीर सवाल सारी दुनिया में खड़े हो गए हैं। ट्रंप ने न सिर्फ अमेरिका की वरन अंतरराष्ट्रीय संस्थागत मर्यादाओं को चुनौती देने का काम किया है। अमेरिका की चुनावी प्रक्रिया, न्यायपालिका, मीडिया और लोकतांत्रिक परंपराओं, वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाओं पर सीधा हमला किया है । 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद अब वह एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुआ हमला इस बात का प्रमाण है। ट्रंप की सत्ता की लालसा उन्हें किस हद तक ले जाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। उक्त घटना केवल अमेरिका की आंतरिक समस्या नहीं थी। वैश्विक लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी यह एक चेतावनी थी। ट्रंप की राजनीति ने अमेरिकी समाज को गहरे अंधेरे में धकेल दिया है। नस्ल, धर्म, प्रवासियों और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उग्र बयानबाजी ने ट्रंप और अमेरिका की असहिष्णुता को बढ़ावा दिया है। अमेरिका फर्स्ट की नीति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और व्यापार को लेकर अमेरिका को सारी दुनिया में कमजोर करने का काम किया है। बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। जब दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश ही लोकतांत्रिक मूल्यों को मानने से इंकार करे, तो उसका असर स्वाभाविक रूप से दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ता है।

अब इसका प्रभाव यूरोप में भी नजर आने लगा है। कई यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी ताकतें मजबूत होना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोकतंत्र और मानव अधिकार को लेकर भरोसा कमजोर हो रहा है। युवा पीढ़ी भविष्य को लेकर गहरी निराशा में है। बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं को असुरक्षा की भावना से भर दिया है। कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट ने यूरोप की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। इस कारण जीवन-यापन की मुश्किलें बढ़ती चली जा रही हैं। रोजगार के अवसर भी बड़ी तेजी के साथ कम होते जा रहे हैं। यूरोप के युवा सवाल पूछ रहे हैं, क्या लोकतांत्रिक सरकारें उनकी समस्याओं का समाधान कर पाएंगी? आज विश्व के 60 से ज्यादा देशों में अपनी ही सरकार के खिलाफ लोग उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकारें महंगाई रोकने, स्थायी रोजगार देने और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफल साबित हो रही हैं। ऐसी स्थिति में कट्टरपंथी विचार धाराओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। यही स्थिति अमेरिका में भी देखी जा रही है। आर्थिक असुरक्षा और असंतोष को ट्रंप राजनीतिक ताकत से दबाने की कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में आवश्यकता है, अमेरिका और यूरोप जैसे देश अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करें। आम जनता के प्रति पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाएं। आम लोगों की तथा युवाओं की आर्थिक चिंताओं को प्राथमिकता देकर उनका निराकरण करें।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

ईरानी हवाई क्षेत्र बंद...एयर इंडिया ने अमेरिका के लिए करीब तीन उड़ानें रद्द की

नई दिल्ली। भारतीय विमानन कंपनी एअर इंडिया ने ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अमेरिका के लिए करीब तीन उड़ानें रद्द की और यूरोप के लिए कुछ सेवाओं के संचालन में भी देरी होगी। विमानन कंपनी से जुड़े सूत्र ने बताया कि करीब तीन उड़ानों दिल्ली से न्यूयॉर्क एवं नेवार्क के लिए दो तथा मुंबई से न्यूयॉर्क के लिए एक उड़ान को रद्द कर दिया गया है। विमानन कंपनी ने पोस्ट कर बताया कि ईरान में उभरती स्थिति, इसके बाद उसके हवाई क्षेत्र के बंद होने और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए, क्षेत्र से होकर गुजरने वाली उड़ानें अब वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल कर रही हैं, जिससे देरी हो सकती है। कंपनी ने कहा, ''एअर इंडिया की वे कुछ उड़ानें रद्द हो रही हैं जिनका मार्ग बदलना फिलहाल संभव नहीं है। एयर इंडिया ने इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जाहिर किया। एअर इंडिया अमेरिका और यूरोप की उड़ानों के लिए ईरानी हवाई क्षेत्र का उपयोग करती है और वैकल्पिक मार्ग इराक के हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान भरना है। सूत्र ने कहा कि इराक के हवाई क्षेत्र का उपयोग करने से यात्रा अवधि बढ़ेगी और विमान के पास अमेरिका के लिए कुछ सेवाओं का संचालन करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं होगा। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण एअर इंडिया पश्चिम की ओर जाने वाली कई उड़ानों के लिए पहले से ही लंबे मार्ग इस्तेमाल कर रही है।

बीएमसी चुनाव: आरएसएस प्रमुख भागवत ने डाला वोट, सही उम्मीदवार चुनने पर दिया जोर

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर महानगरपालिका चुनाव के लिए अपना वोट डाला। भागवत सुबह-सुबह मतदान करने वाले मतदाताओं में शामिल थे। मतदान के बाद मीडिया से मुखाबित होते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी और सही उम्मीदवार चुनने के महत्व पर जोर दिया। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि 'नोटा' का विकल्प चुनने से परोक्ष रूप से अवांछित उम्मीदवारों को बढ़ावा मिलता है। भागवत सुबह करीब साढ़े सात बजे नागपुर के महल इलाके में स्थित मतदान केंद्र पहुंचे और अपना वोट डाला। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि जनहित को ध्यान में रखते हुए सभी लोग चुनाव में योग्य उम्मीदवार को ही वोट दें। उन्होंने कहा कि इसलिए आज मैंने सबसे पहला काम यह किया कि वोट डाला। चुनाव में मतदाताओं के लिए उपलब्ध उपरोक्त में से कोई नहीं (नोटा) विकल्प के संबंध में उन्होंने कहा कि नोटा का मतलब है कि आप सभी को अस्वीकार करते हैं और ऐसा करके हम एक ऐसे व्यक्ति को बढ़ावा देते हैं जिसे कोई नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि 'नोटा' लोगों को अपनी असहमति व्यक्त करने का एक विकल्प देता है लेकिन किसी को भी वोट नहीं देने से बेहतर है कि किसी को वोट दिया जाए। मीडिया रिपोर्टें के मुताबिक आरएसएस के पूर्व सर कार्यवाह और केंद्रीय समिति के सदस्य भैयाजी जोशी भी शुरुआती मतदाताओं में शामिल थे। उन्होंने चुनाव में मतदान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकारें जनादेश से बनती हैं, जिसे अक्सर चुनाव के जरिए व्यक्त किया जाता है जहां नागरिक अपने प्रतिनिधियों के लिए मतदान करते हैं।

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति की जब्त

एजेंसी। नई दिल्ली

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लेते हुए छत्तीसगढ़ में 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ एजेंसी ने ये कार्रवाई की। ईडी का कहना है कि यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच पर आधारित है। यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों में सक्रिय था। जब्त की गई संपत्तियों में अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से अर्जित अपराध की आय से प्राप्त संपत्तियां और निवेश शामिल हैं। ईडी की जांच में पता चला है कि महादेव सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म प्रमोटरों, पैनल संचालकों और एजेंटों के सुनियोजित नेटवर्क के जरिए संचालित हो रहा था। काली कमाई को फर्जी खातों, बेनामी खातों और कई स्तरों के वित्तीय लेनदेन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग किया जाता था। जांचकर्ताओं ने बताया कि मुनाफे का बड़ा हिस्सा 70 से 75 फीसदी मुख्य प्रमोटरों को मिलता था, जबकि शेष हिस्सा एजेंटों और उप-एजेंटों में बांटा जाता था। ये लोग सट्टेबाजी के संचालन, अकाउंट्स के प्रबंधन और डिजिटल और सोशल मीडिया चैनलों के जरिए प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने में शामिल रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि अवैध रकम को ट्रांसफर करने और छिपाने के लिए कई बैंक खातों और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था।

एआई और सोशल मीडिया का दुरुपयोग लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती : ओम बिरला

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए नैतिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और विश्वसनीय, पारदर्शी तथा जवाबदेह सोशल मीडिया ढांचे का निर्माण बहुत जरूरी है। एआई और सोशल मीडिया का दुरुपयोग दुष्प्रचार, साइबर अपराध और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसी गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहा है, जिनसे निपटना विश्व की विधायिकाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। बिरला ने गुरुवार को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन में कहा कि एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकियों ने लोकतांत्रिक संस्थानों की कार्यकुशलता और प्रभावशीलता बढ़ाई है। भारत की संसद और विधानसभाओं को पेपरलेस बनाने और उन्हें एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद और सरकार के साझा प्रयासों से पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को हटाया गया है तथा नए जनकल्याणकारी कानून बनाए गए हैं। इन सुधारों से भारत विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। बिरला ने कहा कि जनता की दृष्टि में संसदीय संस्थाओं की गरिमा, विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा बनाए रखना सभी लोकतांत्रिक इकाइयों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सम्मेलन में होने वाले विचार-विमर्श से वैश्विक चुनौतियों के सामूहिक समाधान निकलेंगे और लोकतांत्रिक संस्थाओं में नागरिकों का विश्वास और गहरा होगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में 53 संप्रभु देशों की राष्ट्रीय संसदों के अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी शामिल हुए हैं। इसके अलावा 14 अर्ध-स्वायत्त संसदों के पीठासीन अधिकारी, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के महासचिव तथा अन्य अधिकारी भी प्रतिनिधि के रूप में भाग ले रहे हैं। इसके पूर्ण सत्रों में संसद में एआई के उपयोग के दौरान नवाचार, निगरानी और अनुकूलन के बीच संतुलन स्थापित करना, सोशल मीडिया का सांसदों पर प्रभाव, संसद के प्रति जन सामान्य की समझ बढ़ाने और मतदान के बाद भी नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नवीन रणनीतियां, संसद सदस्यों और संसदीय कर्मियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, और लोकतांत्रिक संस्थानों को सुदृढ़ बनाने में पीठासीन अधिकारियों की भूमिका जैसे कई विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

युवक को बंधुआ मजदूर बनाने के मामले का मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, दो हफ्ते में जवाब तलब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बहादुरगढ़ स्टेशन पर बिछड़े एक युवक को ग्रेटर नोएडा में बंधुआ मजदूरी और शारीरिक यातनाएं देने के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार के संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब तलब किया है। एनएचआरसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के आधार पर इस घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए हरियाणा के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश स्थित गौतमबुद्ध नगर के पुलिस आयुक्त और बिहार के किशनगंज के जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बिहार के किशनगंज जिले का रहने वाला यह युवक अगस्त 2025 के आसपास अपने पिता के साथ यात्रा कर रहा था। बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन पर पानी लेने के लिए उतरने के दौरान भीड़ की वजह से वह ट्रेन में वापस नहीं चढ़ सका। बाद में किशोर को एक व्यक्ति नौकरी का झांसा देकर उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) ले गया। वहां उसे बंधुआ मजदूर बनाकर मवेशी चराने और चारा काटने के काम में लगा दिया गया।

नीट पीजी में तीसरे राउंड से पहले कट-ऑफ में बड़ी गिरावट

एजेंसी। नई दिल्ली

देश भर में नीट पीजी काउंसलिंग के दूसरे राउंड के बाद 18,000 से अधिक पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटें खाली रह गई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, खाली सीटों का कारण डॉक्टरों की योग्यता की कमी नहीं, बल्कि ऊंचे पर्सेंटाइल मानदंड थे। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई)ने तीसरे राउंड से पहले कट-ऑफ कम करने का फैसला किया। संशोधित मानदंडों के तहत आरक्षित वर्ग के लिए पर्सेंटाइल 40 से घटाकर 0 कर दिया गया है, जिसमें न्यूनतम अंक 235/800 से -40 हो गए। सामान्य और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए योग्यता पर्सेंटाइल 50 से घटाकर 7 कर दी गई है। पीडब्ल्यूबीडी सामान्य उम्मीदवारों लिए यह 45 से घटाकर 5 पर्सेंटाइल किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार इस बदलाव से सरकारी और निजी दोनों संस्थानों में खाली सीटें भरने की संभावना बढ़ेगी। अधिकारी भी मानते हैं कि सीटें खाली रहने का कारण पात्रता या क्षमता की कमी नहीं, बल्कि कठोर पर्सेंटाइल सीमा थी।

बीमार होने के कारण मिशन छोड़ आईएसएस से पृथ्वी पर लौट रहे चार एस्ट्रोनॉट्स

एजेंसी। वॉशिंगटन

अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना सामने आई है। पहली बार अंतरिक्ष से मेडिकल इवैक्यूएशन किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से चार अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के लिए रवाना हो गए हैं। इनके आज यानी गुरुवार तक प्रशांत महासागर में उतरने की उम्मीद है। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि मिशन में शामिल एक अंतरिक्ष यात्री की तबीयत गंभीर रूप से खराब हो गई थी, जिसकी जांच और इलाज अंतरिक्ष में संभव नहीं था। बताया गया है कि मिशन के दौरान एक अंतरिक्ष यात्री को अचानक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। उपलब्ध संसाधनों से उसकी पूरी जांच संभव नहीं हो सकी, जिसके बाद सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पूरे दल को तय समय से पहले वापस बुलाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए एक क्रू ड्रैगन यान का इस्तेमाल किया गया। बुधवार को यह यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होकर पृथ्वी की ओर रवाना हुआ। इस यान में चार अंतरिक्ष यात्री सवार हैं, जिनमें दो अमेरिकी, एक जापानी और एक रूसी अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, दल के एक सदस्य की हालत अचानक बिगड़ गई थी, जिससे मिशन को बीच में ही रोकना पड़ा। हालांकि, बीमारी की प्रकृति को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है और न ही संबंधित अंतरिक्ष यात्री की पहचान सार्वजनिक की गई है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लगभग 25 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी मेडिकल इमरजेंसी के कारण मिशन को समय से पहले समाप्त करना पड़ा है। लौट रहे अंतरिक्ष यात्री क्रू-11 मिशन का हिस्सा हैं, जिन्हें 1 अगस्त 2025 को पृथ्वी से अंतरिक्ष स्टेशन भेजा गया था।

राजनाथ सिंह ने जयपुर मिलिट्री स्टेशन पर सैनिकों के साथ बातचीत करके बढ़ाया हौसला

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेना दिवस पर जयपुर में परेड के बाद जयपुर मिलिट्री स्टेशन पर सैनिकों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब युद्ध केवल आमने-सामने की गोलाबारी तक सीमित नहीं रहा। आधुनिक युद्ध कई प्रकार का हो चुका है। साइबर, अंतरिक्ष, ड्रोन से लेकर टीवी, अखबार और मोबाइल भी अब युद्ध भूमि का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे समय में सिर्फ ताकतवर होना ही काफी नहीं है, समझदार और सतर्क होना भी उतना ही जरूरी है। इसलिये आज के सैनिक को सिर्फ शारीरिक रूप से ही फिट नहीं, बल्कि मानसिक और तकनीकी रूप से भी सक्षम होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने सैनिकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि

साइबर, अंतरिक्ष, ड्रोन से लेकर टीवी, अखबार और मोबाइल भी युद्ध भूमि का हिस्सा बने

अभी कुछ ही महीने पहले ऑपरेशन 'सिंदूर' इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। जिस तरह से आपने युद्धभूमि की बदलती हुई परिस्थितियों के अनुसार खुद को उन्नत किया, वह अपने आप में अद्वितीय है। पूरे देश को आपके ऊपर गर्व है। आपकी वीरता के ही चलते दुश्मन कोई हिमाकत नहीं कर सका। यह सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं था। यह उस भरोसे का प्रमाण था, जो देश को अपनी सेनाओं पर है। हालात मुश्किल थे, दबाव भी था, लेकिन इन सबके बीच आपने संयम, एकजुटता और धैर्य दिखाया, वह अपने-आप में अभूतपूर्व था। राजनाथ सिंह ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं जब आप सबकी आंखों में देखता हूं, तो मुझे वह तेज दिखता है, वह भरोसा दिखता है, जो हमारी सेनाओं की असली पहचान है। चाहे हिमालय की बर्फीली ऊंचाइयां हों, थार का तपता रेगिस्तान हो, घने जंगल हों या फिर समुद्र का अथाह विस्तार हो, आप हर हाल में, हर मौसम में, हर परिस्थिति में देश की सीमाओं की रखवाली करते हैं। देश चैन की नींद इसीलिए सो पाता है, क्योंकि आप हमारी सीमाओं पर जाग रहे होते हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' में जिस बहादुरी और मुस्तैदी के साथ आपने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की, उसकी कल्पना भी कभी उन आतंकियों ने नहीं की होगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे स्वदेशी हथियारों की सफलता की दृष्टि में भी एक मील का पत्थर बन कर उभरा है।

मकर संक्रांति पर केंद्रीय गृह अमित शाह ने पुनर्विकास कार्य का भूमि पूजन किया

अहमदाबाद| मकर संक्रांति के पावन अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के नारणपुरा क्षेत्र में स्थित गुजरात हाउसिंग बोर्ड द्वारा पुनर्विकसित किए जाने वाले सूर्या अपार्टमेंट सेक्टर-2 के आवासों का विधिवत भूमि पूजन किया। इस अवसर पर शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग की राज्य मंत्री दर्शनाबेन वाघेला भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने विधि-विधान के साथ भूमि पूजन संपन्न कर पुनर्विकास परियोजना के लाभार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के निवासियों को बेहतर, सुरक्षित और आधुनिक आवास सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में अहमदाबाद शहर की मेयर प्रतिभाबेन जैन, राज्यसभा सांसद नरहरि अमीन, नारणपुरा के विधायक जितेंद्र पटेल, वरिष्ठ राजनीतिक नेता प्रेरक शाह, डिप्टी मेयर देवांग दाणी, गुजरात हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन एम. थेन्नारसन, हाउसिंग कमिश्नर एस. बी. वसावा सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही सूर्या अपार्टमेंट के निवासी तथा नारणपुरा क्षेत्र के बड़ी संख्या में नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की और पुनर्विकास परियोजना के लिए प्रसन्नता व्यक्त की।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

आईजीआई एयरपोर्ट पर इंजन में कंटेनर फंसने से एयर इंडिया का प्लेन हुआ डैमेज

» दिल्ली हवाई अड्डा पर एयर इंडिया के ए-350 विमान के दाहिने इंजन को नुकसान

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एयर इंडिया के अत्याधुनिक एयरबस ए350 विमान का इंजन एक कार्गो कंटेनर से टकरा गया। हालांकि, इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ और बड़ा हादसा टल गया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) आगे की जांच कर रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को दी जानकारी में बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह घने कोहरे के बीच कार्गो कंटेनर के टकराने से एयर इंडिया के ए350 विमान का दाहिना इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। इस बीच एयरलाइन ने कहा कि विमान को विस्तृत जांच के लिए उड़ान सेवा से अस्थायी रूप से हटा दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जो कि शायद विमान में सवार किसी यात्री ने बनाया है। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा, ''एयर इंडिया का दिल्ली से न्यूयॉर्क (जेएफके) जाने वाली उड़ान संख्या एआई101 को ईरान के हवाई क्षेत्र के अप्रत्याशित रूप से बंद होने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा, जिससे उसका निर्धारित मार्ग प्रभावित हुआ। दिल्ली एयरपोर्ट के रनवे पर उतरने के समय घने कोहरे के बीच विमान को टर्मिनल तक ले जाने के दौरान यह एक कंटेनर से टकरा गया, जिसके परिणामस्वरूप उसके दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा।'' कंपनी के मुताबिक, ''विमान को निर्धारित पार्किंग स्थल पर सुरक्षित रूप से खड़ा कर दिया गया, जिससे विमान में सवार सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।'' दरअसल लैंडिंग के बाद विमान के दाहिने इंजन से कार्गो कंटेनर टकरा गया, जिससे इंजन को काफी नुकसान हुआ। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए, एयरलाइन ने कहा कि वह उनकी प्राथमिकता के अनुसार वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था और टिकट की रकम वापस करने के अलावा उनकी सहायता करने के लिए तत्परता से कदम उठा रही है।

कोयला मंत्रालय ने डीवीसी के साथ तीन कमर्शियल कोल ब्लॉक के लिए किया समझौता

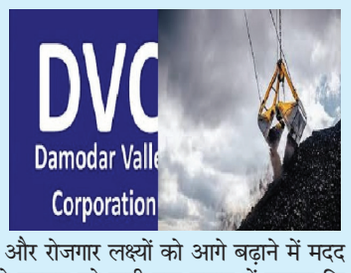

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के साथ तीन वाणिज्यिक कोयला खंडों के विकास और उत्पादन के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए है। इससे देश के ऊर्जा सुरक्षा और रोजगार लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि समझौते में धुलिया नॉर्थ, मंदाकिनी बी और पीरपैंती बरहट कोयला खान का विकास और उत्पादन करना शामिल है। वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 13वें दौर में इन कोयला खंड़ो की नीलामी हुई थी। इन समझौतों का क्रियान्वयन कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण है। इन तीनों कोयला खंडों का अन्वेषण हो चुका है। इनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 49 मिलियन टन है, जो देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी करने में अहम योगदान देगा। इन परियोजनाओं से सालाना करीब 4,621 करोड़ रुपये का राजस्व और लगभग 7,350 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होगा। इससे आर्थिक गतिविधियों और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। कोयला मंत्रालय ने कहा कि इन कोयला खंडों के विकास से ऊर्जा उपलब्धता बढ़ने के साथ ही सामाजिक-आर्थिक लाभ की संभावना है। अनुमान है कि इन तीन परियोजनाओं से लगभग 66,248 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, जिससे कोयला उत्पादन क्षेत्रों में आजीविका सृजन और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्नाव रेप पीड़िता की और सबूत पेश करने की अपील पर सीबीआई से मांगा जवाब

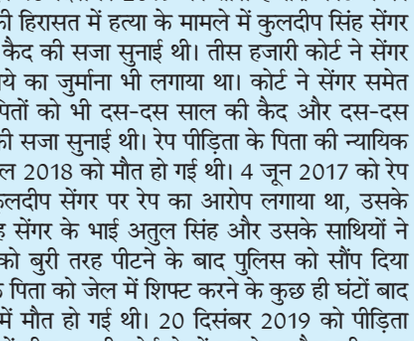

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव रेप मामले की पीड़िता की ओर से अपनी उम्र को लेकर अतिरिक्त साक्ष्य दर्ज कराने की अनुमति देने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर और सीबीआई को नोटिस जारी किया है। जस्टिस प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 25 फरवरी को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान रेप पीड़िता की ओर से पेश वकील महमूद प्राचा ने कहा कि पीड़िता अपनी उम्र के संबंध में साक्ष्य देना चाहती है। तब कोर्ट ने कहा कि याचिका में दस्तावेज संलग्न नहीं हैं। कोर्ट ने वकील को निर्देश दिया कि 31 जनवरी तक दस्तावेज कोर्ट में दाखिल करें। कुलदीप सिंह सेंगर ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अपनी सजा को चुनौती दी है। ये याचिका अभी उच्च न्यायालय में लंबित है। 23 दिसंबर 2025 को उच्च न्यायालय ने सेंगर की अपील के लंबित रहने तक सजा पर रोक लगाने का आदेश दिया था। इस फैसले का महिला संगठनों ने जमकर विरोध किया और दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष प्रदर्शन भी किया था। बाद में 29 दिसंबर 2025 को उच्च न्यायालय ने सेंगर की सजा पर रोक लगाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान उच्चमत न्यायालय ने इस बात का अंदेशा जताया था कि उच्च न्यायालय ने पॉक्सो एक्ट की धारा 5 के तहत लोकसेवक की जो व्याख्या की है उससे लोकसेवक इससे बाहर हो जाएंगे। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि इस कानून के तहत एक कांस्टेबल लोकसेवक हो सकता है लेकिन विधायक इससे बाहर कैसे हो सकता है। 16 दिसंबर 2019 को तीस हजारी कोर्ट ने रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में हत्या के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर को दस साल की कैद की सजा सुनाई थी। तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर पर दस लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। कोर्ट ने सेंगर समेत सभी सातों आरोपितों को भी दस-दस साल की कैद और दस-दस लाख के जुर्माने की सजा सुनाई थी। रेप पीड़िता के पिता की न्यायिक हिरासत में 9 अप्रैल 2018 को मौत हो गई थी। 4 जून 2017 को रेप पीड़िता ने जब कुलदीप सेंगर पर रेप का आरोप लगाया था, उसके बाद कुलदीप सिंह सेंगर के भाई अतुल सिंह और उसके साथियों ने पीड़िता के पिता को बुरी तरह पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया था। रेप पीड़िता के पिता को जेल में शिफ्ट करने के कुछ ही घंटों बाद जिला अस्पताल में मौत हो गई थी। 20 दिसंबर 2019 को पीड़िता से रेप के मामले में तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने उम्रकैद के अलावा 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। जुर्माने की इस रकम में से 10 लाख रुपये पीड़िता को देने का आदेश दिया था।

विश्वनाथन आनंद ने शतरंज महाकुंभ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

लोकतंत्र की शान

दिल्ली। शतरंज महाकुंभ के बैनर तले सामाजिक और शैक्षिक शतरंज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन आज कीट यूनिवर्सिटी में हुआ, जो भारत में अपनी तरह के पहले मेगा शतरंज सम्मेलन की शुरुआत का संकेत है। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (एफआईडीई) और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के सहयोग से 14 से 16 जनवरी तक आयोजित इस सम्मेलन ने शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के एक उपकरण के रूप में शतरंज की भूमिका पर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया। उद्घाटन के दिन कीट में प्रमुख शतरंज इंफ्रास्ट्रक्चर और पहलों का भी शुभारंभ हुआ, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय शतरंज हॉल और विश्वनाथन आनंद शतरंज अकादमी शामिल हैं, जो जमीनी स्तर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस कार्यक्रम में वैश्विक शतरंज प्रशासकों और दिग्गजों की एक प्रभावशाली श्रृंखला शामिल हुई, जिसमें एफआईडीई अध्यक्ष और रूस के पूर्व उप प्रधान मंत्री अर्कादी ड्वोरकोविच, एफआईडीई उपाध्यक्ष और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद, एफआईडीई उप अध्यक्ष और लातविया की पूर्व वित्त मंत्री डाना रेज़नीस, नितिन नारंग, सचिव देव सहित अन्य लोग शामिल थे। उद्घाटन के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, विश्वनाथन आनंद ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें भुवनेश्वर लौटकर खुशी हुई और उन्होंने खेलों को संस्थागत समर्थन के लिए राष्ट्रीय मंचों पर कीट की लगातार पहचान की प्रशंसा की। उन्होंने कीट की सामाजिक पहलों को सराहनीय बताया और इस क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में बात की। आनंद ने इस बात पर जोर दिया कि शतरंज एक शक्तिशाली शैक्षिक उपकरण है, यह देखते हुए कि जो छात्र नियमित रूप से शतरंज खेलते हैं, वे अक्सर शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने शतरंज को सामाजिक विकास से जोड़ने वाली नई पहलों के बारे में भी बात की, जिसमें जेलों में इसका उपयोग शामिल है, और कहा कि वह इस कार्यक्रम को और विस्तार करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। एफआईडीई अध्यक्ष अर्कादी ड्वोरकोविच ने शतरंज को बढ़ावा देने के प्रति डॉ. सामंत के जुनून और अटूट प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह खेल महत्वपूर्ण जीवन कौशल और संज्ञानात्मक क्षमताओं को विकसित करने में मदद करता है जिन्हें अन्य माध्यमों से हासिल करना मुश्किल है, जिससे यह ज्ञान निर्माण और व्यक्तिगत विकास के लिए एक मजबूत साधन बन जाता है। कीट और कीस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताया, और कहा कि शतरंज और विश्वनाथन आनंद एक-दूसरे से अलग नहीं किए जा सकते। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि ओडिशा में पहली बार इतना प्रतिष्ठित ग्लोबल कॉन्फ्रेंस आयोजित किया जा रहा है और बताया कि 40 से ज़्यादा देशों के प्रतिनिधियों के साथ 5,000 से ज़्यादा छात्र और खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। डॉ. सामंत ने यह भी बताया कि कीस के ज़रिए शतरंज कैसे ज़मीनी स्तर के समुदायों तक पहुँचा है, और बताया कि हज़ारों आदिवासी बच्चे सक्रिय रूप से यह खेल खेल रहे हैं। शतरंज महाकुंभ कॉन्फ्रेंस में 40 से ज़्यादा देशों की जानी-मानी शतरंज हस्तियों के साथ-साथ 80 प्रमुख भारतीय खिलाड़ियों ने भाग लिया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने एनसीसी के गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली कैंट में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर का गुरुवार को दौरा किया। कैडेट्स के अनुशासन और प्रजेंटेशन से प्रभावित होकर उन्होंने उनके व्यवहार की तारीफ़ की और कहा कि उनका एक साथ मार्च, बैंड परफॉर्मेंस और कल्चरल प्रेजेंटेशन देश की धड़कन को दिखाते हैं।मुख्यमंत्री ने एनसीसी की उस भूमिका की तारीफ़ की जो उसने साहसी और ज़िम्मेदार युवाओं को बनाने में निभाई, साथ ही उनमें राष्ट्रवाद, एकता और संवैधानिक कमिटमेंट के जीवन भर के मूल्यों को बढ़ावा देने में निभाई। एनसीसी के होलिस्टिक ट्रेनिंग फ्रेमवर्क पर ज़ोर देते हुए उन्होंने एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप और स्पेशल नेशनल इंटीग्रेशन कैंप जैसे नेशनल इंटीग्रेशन इनिशिएटिव के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस विज़न पर भरोसा जताया कि 'आज के कैडेट कल के लीडर हैं' जो भारत की एकता, अखंडता और गरिमा के लिए समर्पित रहते हुए अलग-अलग भूमिकाओं में देश की सेवा करेंगे। युवाओं से कर्तव्य की मज़बूत भावना के साथ आगे बढ़ने की अपील करते हुए उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि आज़ादी ज़िम्मेदारी के साथ आई है और एक विकसित भारत बनाना एक साझा मिशन है। मुख्यमंत्री ने एनसीसी कैडेट्स द्वारा दिए गए 'गार्ड ऑफ़ ऑनर' को देखा, जिसके बाद केरल के थोडुपुझा के न्यूमैन कॉलेज के कैडेट्स ने एक शानदार बैंड डिस्प्ले किया। बाद में उन्होंने 'फ्लैग एरिया' का दौरा किया, जहां सामाजिक विषयों और देश की तरक्की को दिखाया गया। इसके बाद उन्होंने 'हॉल ऑफ़ फ़ेम' का दौरा किया और उन्हें एनसीसी के इतिहास और उपलब्धियों के बारे में बताया गया, जिसके बाद कैडेट्स ने कल्चरल शो किया। बाद में मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि परेड में गार्ड ऑफ ऑनर, बैंड डिस्प्ले और हॉल ऑफ फेम के अवलोकन के साथ युवा आपदा मित्र योजना तथा ड्रोन प्रशिक्षण जैसे नवाचारों की जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि ये पहलें बदलते समय में युवाओं को जिम्मेदार, सक्षम और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की परंपरा में बचपन से ही देश सर्वोपरि के संस्कार दिए जाते रहे हैं। एनसीसी आज इसी विरासत को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

पोरबंदर के पास आईसीजी ने पाकिस्तानी नाव जब्त की, चालक दल के 9 सदस्य हिरासत में

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने गुजरात के पोरबंदर के पास एक पाकिस्तानी नाव को जब्त करके चालक दल के नौ सदस्यों को हिरासत में लिया है। पाकिस्तानी नाव और हिरासत में लिए गए चालक दल के सदस्यों को पोरबंदर लाया जा रहा है, जहां संबंधित एजेंसियां उनसे गहन संयुक्त पूछताछ करेंगी। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि 14 जनवरी की रात में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पर पोरबंदर के पास एक तेज और सटीक रात के ऑपरेशन में अरब सागर में पेट्रोलिंग कर रहे भारत के जहाज ने भारतीय क्षेत्र में एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव देखी। चुनौती मिलने पर नाव ने पाकिस्तान की तरफ भागने की कोशिश की, लेकिन आईसीजी के जहाज ने उसे रोक लिया। भारतीय नाविक पाकिस्तानी नाव पर चढ़ गए। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी नाव अल-मदीना में चालक दल के नौ सदस्य मिले। नाव को आईसीजी जहाज से पोरबंदर ले जाया जा रहा है, ताकि संबंधित एजेंसियां उसकी अच्छी तरह से तलाशी लेने के बाद हिरासत में लिए गए चालक दल के सदस्यों से संयुक्त पूछताछ कर सकें। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन आईसीजी के उस पक्के वादे को दिखाता है कि वह देश के समुद्री इलाके में लगातार निगरानी और कानून लागू करके भारत की समुद्री सीमाओं को सुरक्षित रखेगा।

जज बनने के लिए दिव्यांगों को छूट पर सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट से मांगी राय

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने सभी उच्च न्यायालयों और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज से दिव्यांगों को जज बनने के लिए तीन वर्ष तक वकालत के अनुभव की अनिवार्यता से छूट देने पर राय मांगी है। यह याचिका भूमिका ट्रस्ट ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय के 20 मई, 2025 के फैसले को चुनौती देते हुए कहा गया है कि ये दिव्यांगों के लिए लागू नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने कहा कि लीगल प्रैक्टिस की गिनती उस दिन से होती है जिस दिन से कोई लॉ ग्रेजुएट अपना प्रोविजनल एनरॉलमेंट कराता है न कि ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन पास करने के दिन से। किसी उम्मीदवार के तीन साल के लॉ प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट या तो संबंधित प्रिंसिपल जज देता है या दस साल के अनुभव वाला कोई वकील। उच्चतम न्यायालय ने 20 मई 2025 को कहा था कि जज बनने के लिए तीन वर्ष तक वकालत का अनुभव अनिवार्य है। कोर्ट ने कहा था कि वकालत का अनुभव किसी वकील के औपचारिक रूप से एनरॉल होने की तिथि से मान्य होगा। शुरुआत में जज के पद पर नियुक्त होने के लिए बतौर वकील तीन वर्ष का अनुभव अनिवार्य था, लेकिन 2002 में उच्चतम न्यायालय ने तीन वर्ष के अनुभव को समाप्त करते हुए नये लॉ ग्रेजुएट को भी जज के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने का रास्ता खोल दिया था।

मुख्यमंत्री ने सेब उत्पादकों के हितों की वकालत की

सेब अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए शत प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का किया आग्रह

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष प्रदेश के सेब उत्पादकों के हितों की पुरजोर वकालत की। उन्होंने बागवानों की समस्याओं को लेकर केंद्र सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने विदेशी सेबों के बढ़ते आयात से राज्य के सेब उत्पादकों को हो रही भारी क्षति से केन्द्रीय वित्त मंत्री को अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने लगभग 2.5 लाख सेब उत्पादकों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए सेब को 'विशेष श्रेणी' में शामिल करने की मांग की ताकि प्रदेश के किसानों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से संरक्षण मिल सके। उन्होंने हिमाचल में सेब उत्पादन के जुलाई से नवंबर तक की अवधि के दौरान सेब आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त ऑफ-सीजन में विदेशी सेबों की डंपिंग को रोकने के लिए आयात शुल्क को बढ़ाकर शत प्रतिशत करने तथा सेब आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंध (क्वांटिटेटिव रिस्ट्रिक्शन) लगाने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि प्रदेश के बागवानों का एक प्रतिनिधिमंडल गत मंगलवार को उनसे मिला तथा न्यूजीलैंड के सेब पर आयात शुल्क को घटाने से प्रदेश के सेब उत्पादकों को हो रहे नुकसान के संबंध में चिंता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेब राज्य के रूप में प्रसिद्ध हिमाचल प्रदेश में सेब उत्पादन से हर वर्ष लगभग 4,500 करोड़ रुपये की आय होती है, जो राज्य के कुल फल उत्पादन का करीब 80 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सेब उत्पादन से 2.5 लाख परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है और इससे लगभग 10 लाख मानव-दिवस सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यापार नीतियों से छोटे और सीमांत किसान संकट में हैं और इनसे देश के किसानों के बजाय विदेशी कंपनियों को लाभ पहुंच रहा है।

अनीस अब्बासी ने मंसूरी का केक काटा कर उनके लंबे जीवन की दुआ की

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री फैसल मंसूरी का जन्मदिन कार्यालय में मनाया गया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनीश अब्बासी ने कार्यालय में आज अपने महामंत्री फैसल मंसूरी का जन्मदिन बड़ी धूमधाम के साथ पार्टी कार्यालय में मनाया इस मौके पर नेम सैफी इदरीश भाई मोहम्मद असलम फेशियल खान राम खिलाड़ी एवं गुरुजी राजू चंदेल इरफान सलमानी, मुर्शीदा खातून प्रदेश मंत्री, साजिद सलमानी, फैसल खान,शफाअत अली, तनवीर पठान मुख्य रूप से उपस्थित थे इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अनीस अब्बासी ने केक काटते हुए उनके लिए अल्लाह ताला से दुआ करते हुए कहा कि हमारे भाई फैसल मंसूरी को उम्र दे वह भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ जुझारू कार्यकर्ता है और हमेशा ही समर्पण भावना के साथ कार्य करते रहे हैं जब से वह पार्टी में जुड़े हैं उन्होंने काफी बड़ी संख्या में लोगों को पार्टी से जोड़ा है और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचा है ऐसे कार्यकर्ता का जन्मदिन हम कार्यालय में मन कर अपने आप पर गर्व महसूस करते हैं और उनकी लंबी उम्र के लिए दुआ करते हैं इस मौके पर तमाम कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल गुलदस्ते आदि देकर उनका भव्य स्वागत किया

आई-पैक रेड मामले में सुप्रीम कोर्ट की ईडी अधिकारियों पर दर्ज एफआईआर पर रोक

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आई-पैक के दफ्तर में रेड मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दखल के मामले में पश्चिम बंगाल सरकार और संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 3 फरवरी को होगी। कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक अंग अपना काम स्वतंत्र रूप से काम कर सके, इसके लिए इस मामले की जांच जरूरी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि किसी भी केंद्रीय एजेंसी को किसी राजनीतिक दल के चुनावी कार्य में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है, लेकिन अगर कोई केंद्रीय जांच एजेंसी अपना काम विधि सम्मत कर रही है तो राजनीतिक काम की आड़ में केंद्रीय जांच एजेंसियों को जांच करने से नहीं रोका जा सकता है। ईडी के पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने उच्चतम न्यायालय में केवियट दाखिल की थी। पश्चिम बंगाल सरकार का कहना था कि इस मामले में अगर ईडी उच्चतम न्यायालय आती है तो उसका पक्ष सुने बिना कोई भी आदेश पारित नहीं किया जाए। आठ जनवरी को ईडी ने तृणमूल कांग्रेस के प्रचार का काम देखने वाली कंपनी आई-पैक के दफ्तर और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा था। ईडी ने ये छापा कथित कोयला घोटाला मामले की जांच के लिए मारा था। ईडी का कहना है कि उसकी जांच कार्रवाई में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बाधा डालने के मकसद से छापे के दौरान आई-पैक के दफ्तर पहुंची थीं और कुछ दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य अपने साथ ले गईं। बाद में ममता बनर्जी ने इन आरोपों को खारिज किया। इस मामले में ईडी ने उच्चतम न्यायालय में नई अर्जी दाखिल कर पश्चिम बंगाल पुलिस के डीजीपी राजीव कुमार को हटाए जाने की मांग की है। ईडी ने पश्चिम बंगाल पुलिस के शीर्ष अधिकारियों, जिनमें डीजीपी राजीव कुमार भी शामिल हैं, को निलंबित किए जाने की मांग की है। ईडी का आरोप है कि इन अधिकारियों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ मिलकर जांच में बाधा डाली और सबूतों की कथित तौर पर चोरी में मदद की। अर्जी में कहा गया है कि डीजीपी राजीव कुमार पूर्व में कोलकाता पुलिस कमिश्नर के पद पर रहते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ धरने पर बैठे थे।

संक्षिप्त समाचार

घायल साधु की मदद कर सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल पेश की

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा : हसनपुरः गुरुवार को बरेली से ब्रजघाट टीवीएस मजेस्टिक से जा रहे साधु रामानंद महाराज हसनपुर में संभल अड्डे के निकट आजाद मार्केट के पास दोपहर करीब 2: 45 बजे झपकी आने से अनियंत्रित होकर हसनपुर संभल मार्ग सड़क पर गिर पड़े। वहां मौजूद नगर पालिका परिषद के सभासद शाहनवाज अंसारी व जावेद जरताब एडवोकेट ने तुरंत ही उनकी मदद करते हुए उन्हें सुरक्षित स्थान पर बैठाकर प्राथमिक चिकित्सा कराई एवं नगर के व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज गोयल व सुरभित गुप्ता एडवोकेट को उक्त साधु के घायल होने की सूचना दी। जिस पर वह भी मौके पर पहुंच गए। नगर हसनपुर के हिंदू मुस्लिम सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल को कायम करते हुए शाहनवाज अंसारी सभासद के इस कार्य की नगर में सराहना की चर्चा बनी हुई है।

अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पुत्री का जन्मदिन वृद्ध आश्रम पहुंचकर मनाया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा : हसनपुर : गुरुवार को अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपनी पुत्री का जन्मदिन एक अनोखे अंदाज में मनाते हुए मिसाल पेश की, बता ते चले की अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने अपनी पुत्री पुष्पांजलि का जन्मदिन क्षेत्र के ग्राम डोमखेड़ा स्थित वृद्ध आश्रम में पहुंचकर बुजुर्गों के बीच मनाया, वही उन्होंने वृद्ध आश्रम में रह रहे माता एवं बाबाओ को फल व मिठाई वितरित की तथा सभी माताओ एवं बुजुर्गों ने पुत्री पुष्पांजलि की लंबी आयु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया। अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि इस बार उन्होंने अपनी पुत्री का जन्मदिन बुजुर्गों के बीच बनाने का निर्णय बहुत पहले ही कर लिया था जिसको लेकर गुरुवार को वह क्षेत्र के डोमखेड़ा गांव स्थित वृद्ध आश्रम पर अपने परिवार सहित पहुंचे और वृद्ध जनों को मिठाई तथा फल भेंट किया इस बीच उनकी पत्नी तथा पुत्री एवं वृद्ध आश्रम के संचालक भी मौजूद रहे।

नो हेलमेट, नो पेट्रोल'' अभियान का दिखा असर

लोक तंत्र की शान : लहरपुर सीतापुर जिलाधिकारी के आदेश "नो हेलमेट, नो पेट्रोल" अभियान का असर बृहस्पतिवार को लहरपुर क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर साफ तौर पर देखने को मिला। पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल देने से मना किए जाने पर कई स्थानों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया वहीं पेट्रोल पंप संचालकों की बिक्री कम होने के कारण मायूसी देखी गई व बड़ी संख्या में बाइक सवार तेल न मिलने से मायूस दिखें , जबकि हेलमेट विक्रेताओं में खुशी की लहर देखी गई और कई बाइक सवारों को दुकानों पर हेलमेट खरीदते हुए देखा गया। ज्ञातव्य है कि बुधवार देर रात पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं कोतवाली प्रभारी द्वारा नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान के तहत सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लालपुर बाजार स्थित साईं कृपा फिलिंग पेट्रोल पंप पर जांच करते हुए बिना हेलमेट लगाए वाहन चालकों को पेट्रोल देते पाए जाने पर 12 बाइक सवारों के ई-चालान किए गए। साथ ही बिना हेलमेट पेट्रोल बेचने पर पेट्रोल पंप के मैनेजर को कड़ी चेतावनी भी दी गई। इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंपों पर अभियान चलाकर नियमित जांच की जाएगी। यदि कोई भी पेट्रोल पंप बिना हेलमेट लगाए बाइक सवारों को पेट्रोल बेचते हुए पकड़ा गया, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस पहल से सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों में हेलमेट लगाकर ही बाइक चलाने की जागरूकता बढ़ती हुई दिखाई दी।

बिना रजिस्ट्रेशन चला रहे अस्पताल के चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप, चार दिनों तक इलाज के बाद मरीज की हालत बिगड़ी

लोक तंत्र की शान : मिहींपुरवा बहराइचः मिहीपुरवा तहसील क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे अस्पतालों का मकड जाल फैला हुआ है। स्वास्थ्य विभाग मूक दर्शक बना हुआ है। धड़ल्ले से क्षेत्र में अवैध रूप से अस्पताल चल रहे हैं। इलाज के नाम पर मरीजों से पैसे की वसूली की जाती है। ऐसा ही एक मामला थाना सुजौली क्षेत्र अंतर्गत बडखडिया बाजार का है जहां एक निजी अस्पताल पर लगातार चार दिनों तक इलाज कराने के बाद मरीज के परिजनों ने उसकी हालत बिगड़ने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत परिजनों ने सीएचसी अधीक्षक और सीएमओ से की है। भवानीपुर गांव निवासी रमज़ाना पत्नी मो0 गुलाम ने बताया कि उन्होंने 11 जनवरी को अपनी बहु समीमुन निशा पत्नी बराफ़ाती को इलाज के लिए बड़खडिया में स्थित भारत नाम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था जहां लगातार 4 दिनों तक इलाज के दौरान बुधवार को उसकी हालत और बिगड़ गई। उसका एक अंग सुन्न हो गया मामले की पूछताछ महिला ने जब चिकित्सकों से की तो उन्होंने मरीज को जवाब देते हुए उसका इलाज बाहर किसी अन्य अस्पताल में कराने को कहा गया। पीड़ित ने बताया कि इलाज के नाम पर उससे 8200 रुपए लिया गया है। जबकि मरीज को फायदा होने के बजाय उसकी हालत बिगड़ गई है। मामले की लिखित शिकायत उसने सीएचसी अधीक्षक डॉ0 थानेदार व सीएमओ संजय कुमार से की है। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि मामले की शिकायत मिली है। सुजौली क्षेत्र में मात्र 3 चिकित्सकों का रजिस्ट्रेशन है जिस अस्पताल की शिकायत मिली है उस नाम से कोई रजिस्ट्रेशन नही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पताल सीज कर दिया गया है। जांच के बाद ऊचित कार्यवाही की जाएगी। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में दर्जनों फर्जी डॉक्टर क्लीनिक चला रहे हैं। जिनकी जांच की जाए। वहीं सीएमओ संजय कुमार ने बताया है कि मामले की जांच कर चिकित्सक के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

सेवा भारती द्वारा मकर संक्रांति एंव स्वामी विवेकानंद जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम सम्पन्न

लोक तंत्र की शान : अलीगढ़ः गुरुवार को सेवा भारती हरिगढ़ महानगर कार्यकारिणी द्वारा मकरसंक्रांति पर्व और स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग सह-संचालक ललित, विभाग कार्यवाहक योगेश आर्य, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, प्रांतीय सदस्य संजय अग्रवाल, व्यवसायी रविन्द्र कुमार सिंघल और राकेश ने दीप प्रज्वलन कर किया। विभाग अध्यक्ष गौरव सिंघल ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि सेवा भारती हरिगढ़ महानगर कार्यकारिणी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विभाग सह संघ चालक ललित ने अपने उद्बोधन में स्वामी विवेकानंद जयंती और मकरसंक्रांति पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन हमें सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अर्पित की गुरु गोरखनाथ को आस्था की खिचड़ी

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधि विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने शिवावतार महायोगी से लोकमंगल तथा सभी नागरिकों के सुखमय-समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की। महायोगी गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि बुधवार से ही पूरे प्रदेश में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र धर्मस्थलों पर जाकर आस्था को नमन कर रहे हैं। गोरखपुर में बुधवार को लाखों श्रद्धालुओं ने महायोगी भगवान गोरखनाथ जी को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। लाखों श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के संगम में आस्था की पवित्र डुबकी भी लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिलसिला लगातार आज गुरुवार को भी जारी है।

बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाना मेरा सौभाग्य-सीएम योगी ने कहा कि आज गुरुवार को गोरखपुर में भगवान गोरखनाथ जी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन पंक्ति में लगकर श्रद्धापूर्वक खिचड़ी चढ़ा रहे हैं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे भी प्रातः 4 बजे गोरखनाथ मंदिर की विशिष्ट पूजा संपन्न होने के उपरांत भगवान गोरखनाथ जी को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है। गोरखनाथ मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन आए हुए हैं।

जगत की आत्मा हैं सूर्यदेव-मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति भारत के पर्व और त्योहारों की परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। वास्तव में सूर्यदेव इस जगत की आत्मा हैं। जगतपिता सूर्य की उपासना का यह पर्व, हर प्रकार के शुभ और मांगलिक कार्यों के लिए प्रशस्ति तिथि माना जाता है। आज के बाद सनातन धर्म की परंपरा में सभी मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि सूर्य का जो अयन वृत्त है, ज्योतिषीय परंपरा के अनुसार वह 12 विभिन्न भागों में विभाजित है। एक राशि से दूसरी राशि में सूर्यदेव के संक्रमण को संक्रांति कहा जाता है और जब धनु राशि से मकर राशि में भगवान सूर्य का संक्रमण होता है तो यह मकर संक्रांति कहलाता है। मकर राशि से अगले छह माह तक यानी मिथुन राशि तक सूर्य भगवान उत्तरायण रहेंगे। उत्तरायण का जो समय होता है, उसमें दिन बड़े और रात्रि छोटी होती है। जीवंतता के लिए सूर्य का प्रकाश कितना महत्वपूर्ण है और भारत की ऋषि परंपरा ने इसे कितना महत्व दिया है, इसका अनुमान इस पर्व के माध्यम से लगाया जा सकता है।

मकर संक्रांति पर आर पी गोल्ड मसाले द्वारा विक्रेताओं को दिए गए उपहार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः नगर में मकर संक्रांति के अवसर पर बुधवार की देर श्याम आर पी गोल्ड मसाले कंपनी गाजियाबाद द्वारा हसनपुर नगर के हलवाई एवं दुकानदार मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें आरपी गोल्ड मसाला स्कीम धमाके के तहत कूपन निकालकर फुटकर विक्रेताओ को फ्रिज, एलईडी, रूम हिटर, हॉट केतली व अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया, फर्स्ट प्राइज के तौर पर फ्रिज नगर निवासी मनीष अग्रवाल का निकाला तथा सेकंड प्राइज के तौर पर एलईडी प्रेम किराना स्टोर की निकली, वह इसी प्रकार अन्य कूपन के माध्यम से निकाले गए इनाम वितरित किए गए, बता ते चले कि हसनपुर नगर निवासी व्यापारी नेता मुकेश अग्रवाल की उज्जवल ट्रेडर्स फार्म की देखरेख में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ, इस कार्यक्रम में कंपनी के डायरेक्टर सुमित अग्रवाल ने कहा कि कंपनी 25 वर्षों से उत्तम गुणवत्ता के मसले ग्राहकों को समर्पित कर रही है, इस मौके पर वितरक उज्जवल अग्रवाल,सेल्स मैनेजर इंद्रप्रकाश, एरिया हेड संदीप शर्मा, उमाशंकर शुक्ला तथा नितिन अग्रवाल विवेक, संजय, सुधाकर, सोनू, कारण, चक्रेश आदि सहित नगर के मसाला विक्रेता, दुकानदार, खाना बनाने वाले हलवाई आदि मौजूद रहे।

मंडी धनौरा में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर कराई पति की हत्या, पुलिस ने 22 घंटे में किया खुलासा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा /मंडी धनौराः गुरुवार को मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई एक हत्या का पुलिस ने मात्र 22 घंटे में खुलासा कर दिया, बताते चले की 14 जनवरी के सुबह पुलिस को सूचना मिली कि नौगांवा रेलवे फाटक से धनोरा की ओर रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव पड़ा है मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की और मृतक की पहचान मंडी धनोरा के मोहल्ला अट्टा निवासी टिंकू के रूप में हुई, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण गला घुटने से दम घुटना पाया गया जिस से हत्या की पुष्टि हो गई, आरोपी का पति टिंकू मजदूर था जबकि प्रेमी ड्राइवर है, टिंकू और उसकी पत्नी संगीता की शादी 2020 में हुई थी और दो बच्चे भी हैं मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जाच शुरू कर दी सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर दिया, जांच में आया कि टिंकू की पत्नी संगीता के शादी से पहले से ही बिजनौर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र के मानपुर गांव निवासी नरसिंह देव से प्रेम संबंध थे जो शादी के बाद भी जारी रहे पुलिस के अनुसार 13 और 14 जनवरी की रात को योजना बद्ध तरीके से मृतक टिंकू को शराब पिलाई गई नशे की हालत में उसे ट्रैक पर ले जाया गया जहां गिरने के बाद गमछे से गला घोट के उसकी हत्या कर दी गई, सब को ट्रैक पर ही छोड़ दिया गया ताकि यह मामला ट्रेन हादसे जैसा लगे, पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त गमछा और मृतक का मोबाइल फोन बरामद कर लिया तथा मृतक की पत्नी संगीता एवं उसके प्रेमी नरसिंह देव को गिरफ्तार कर लिया और दोनों से कड़ाई से पूछताछ की तो दोनों ने हत्या करने की बात कबूल की, गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार भदोरिया द्वारा घटना का खुलासा करते हुए पत्रकारों को जानकारी दी गई, वही महज 22 घंटे में पुलिस द्वारा घटना का पर्दाफाश करने से पुलिस के प्रति लोगों में एक अच्छा संदेश गया है।

रोशनी, सुरक्षा और विकास-चौधरी मुशीर अली ख़ान ने बदली संभल की तस्वीर

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा देते हुए नगर पालिका द्वारा तिवारी सराय से लेकर बहजोई रोड, यस्सार हॉस्पिटल से आगे तक स्थापित की गई आधुनिक ऑक्टानल पोल लाइटों का भव्य उद्घाटन किया गया। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य का उद्घाटन नगर पालिका चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली ख़ान द्वारा किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में सभासद हाजी पप्पू, सभासद असलम ख़ान, सभासद मो. आज़म एवं सभासद प्रमोद सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, व्यापारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिन्होंने इस पहल का स्वागत किया। चौधरी मुशीर अली ख़ान ने कहा कि नगर की सड़कों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा, विश्वास और विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिवारी सराय, बहजोई रोड और यस्सार हॉस्पिटल के आसपास का क्षेत्र अत्यंत व्यस्त है, जहाँ लंबे समय से पर्याप्त रोशनी की मांग की जा रही थी। ऑक्टानल पोल लाइटों के लगने से न केवल अंधेरे की समस्या दूर होगी, बल्कि रात्रि में महिलाओं, राहगीरों और व्यापारियों को भी सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के, हर वर्ग और हर मोहल्ले के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। चौधरी मुशीर अली ख़ान ने कहा कि संभल के समग्र विकास के लिए वे लगातार ज़मीनी स्तर पर कार्य कर रहे हैं और आने वाले समय में नगर के अन्य प्रमुख मार्गों व मोहल्लों में भी इसी प्रकार की आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने कहा कि चौधरी मुशीर अली ख़ान के नेतृत्व और सक्रियता के चलते नगर में विकास कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नगर में रोशनी की बेहतर व्यवस्था से जीवन आसान और सुरक्षित बनेगा।

योगी सरकार का 100 दिवसीय विशेष सघन टीबी रोगी खोज अभियान फरवरी से

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। योगी सरकार एक बार फिर तपेदिक (टीबी) उन्मूलन के लिए प्रदेश में 100 दिवसीय विशेष सघन रोगी खोज अभियान शुरू करने जा रही है। फरवरी में शुरू हो रहे अभियान में जनप्रतिनिधियों व विभिन्न विभागों के सहयोग से अधिकतम मरीजों को खोजकर उनका इलाज शुरू करने की रणनीति है। स्वास्थ्य महानिदेशक ने सभी अपर निदेशकों व मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने टीबी रोगियों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार हेतु प्रशिक्षित करने के लिए कौशल विकास विभाग को लिखा है।

सघन खोज अभियान से टीबी से होने वाली मौतों में 17 फीसदी की कमी-स्वास्थ्य सचिव डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि सघन टीबी खोज अभियान 7 दिसंबर 2024 से चलाया जा रहा है। इसी का नतीजा है कि वर्ष 2015 के सापेक्ष प्रति एक लाख व्यक्तियों में मरीजों की संख्या में 17 प्रतिशत और टीबी के कारण होने वाली मृत्यु में भी 17 फीसदी की कमी आई है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर विभाग ने एक बार फिर से फरवरी में सघन टीबी रोगी खोज अभियान चलाने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य महानिदेशक (डीजी) डॉ. आरपी सिंह सुमन ने जनभागीदारी के महत्व को ध्यान में रखते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस अभियान में जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए।

निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता से बच्चों को किया जाएगा जागरूक-सभी सीएमओ को निर्देश दिया गया है कि दो माह में सांसदों के साथ जनपद स्तरीय समीक्षा करवाएं और उन्हें निःक्षय शिविर व अन्य जनभागीदारी गतिविधियों में शामिल करें। ये समीक्षा बैठकें आगे भी जारी रहेंगी। इसके अलावा विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, प्रधानों व पार्षदों को भी अभियान से जोड़ें। अभियान में सामाजिक जन जागरूकता बढ़ाने के लिए 'माई भारत' वालंटियर्स व अन्य पंजीकृत निःक्षय मित्रों का भी उपयोग करें।

डीजी ने सभी कारागारों व मलिन बस्तियों में टीबी स्क्रीनिंग कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्राथमिक स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक में निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता समेत विभिन्न माध्यमों से छात्र-छात्राओं में जागरूकता फैलाने के लिए कहा है। इसके अलावा समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जागरूक करने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि वे टीबी के लक्षण वाले लोगों को स्क्रीनिंग के लिए भेज सकें। परिवहन विभाग से जुड़े समस्त चालकों व कंडक्टरों की स्क्रीनिंग कराने व कारखानों में काम करने वालों की भी शिविर लगाकर जांच करने को कहा गया है।

चिरंजीलाल कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन डगरोली में खिचड़ी का हुआ वितरण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को मकर संक्रांति के पावन पर्व पर चिरंजी लाल कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन डगरोली में खिचड़ी वितरण का कार्यक्रम किया गया जिसमें रोटरी क्लब हसनपुर आस्था के सदस्यों ने भी भाग लिया। वही खिचड़ी का प्रसाद लेने वाले सैकड़ो श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो गई सभी ने बड़े ही प्रेम पूर्वक खिचड़ी का सेवन किया,इस अवसर पर बोलते हुए रोटरी क्लब अध्यक्ष रो० तीर सिंह सिरोही ने कहा आज सूर्य देव भगवान उत्तरायण में प्रवेश कर गए हैं हिंदू संस्कृति के अनुसार आज से सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। वही चिरंजी लाल कॉलेज के निदेशक पुनीत कुमार अग्रवाल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि उत्तरायण का सूर्य हम सभी के सपनों को नई ऊष्मा प्रदान करें, सभी स्वस्थ व दीर्घायु हो, इस अवसर पर कोषाध्यक्ष रो०दिनेश कुमार अग्रवाल, सचिव रो०.सुनील भटनागर, जय सरोही, कॉलेज प्रबंधिका अनुभा अग्रवाल, विनोद कुमार, लोकेश कुमार, मनोज शर्मा, अनुराधा, जूही त्यागी आदि उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर नगर में जगह-जगह हुई खिचड़ी वितरित

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को नगर में दूसरे दिन भी मकर संक्रांति का त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया, इस बीच नगर में विभिन्न लोगों द्वारा स्टाल लगाकर उड़द दाल की खिचड़ी एवं तहारी का वितरण किया गया, नगर पालिका गेट के सामने, मुख्य बाजार में व्यापारी द्वारा खिचड़ी का वितरण किया गया वहीं राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा की एजेंसी पर संगठन के सहयोग से खिचड़ी का वितरण किया गया जिसमें भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया, इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट, प्रदेश प्रभारी अनुपम त्यागी, जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा, प्रदेश महासचिव अरुण त्यागी, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी प्रवीण अग्रवाल आदि सहित संगठन के लोग मौजूद रहे।

माघ मेले में मकर संक्रांति स्नान पर्व पर उठी आस्था की लहर, 1 करोड़ से अधिक लोगों ने लगाई पुण्य की डुबकी

लोक तंत्र की शान

प्रयागराज। प्रयागराज में मकर संक्रांति पर्व पर आस्था का सैलाब उमड़ा। त्रिवेणी तट पर आयोजित माघ मेले के दूसरे स्नान पर्व पर देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। प्रशासन की तरफ से की गई चाक चौबंद व्यवस्था के चलते माघ मेले का दूसरा स्नान पर्व सकुशल संपन्न हो गया। माघ मेला क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं के पुण्य स्नान करने का सिलसिला शुरू हो गया। कल्पवासियों ने त्रिवेणी तट पहुंच कर संगम में आस्था की डुबकी लगाई और खिचड़ी, गुड़ का दान कर संक्रांति की परम्परा को पूरा किया। दंडी साधुओं और आचार्य सम्प्रदाय के संतों ने नजदीकी गंगा घाटों पर डुबकी लगाई और उत्तरायण भगवान भास्कर की पूजा अर्चना की। माघ मेले में अखाड़ों के स्नान की परम्परा नहीं है, लेकिन अखाड़ों से जुड़े कई नागा संन्यासी भी संक्रांति स्नान के लिए संगम पहुंचे और व्यक्तिगत रूप से मोक्ष की डुबकी लगाई। इसी दौरान ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गंगा पूजन कर अपनी 'गो प्रतिष्ठा प्रेरणा यात्रा' का विधिवत शुभारंभ किया। मौसम खुला होने की वजह से त्रिवेणी में संक्रांति स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई। मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि मकर संक्रांति पर बृहस्पतिवार शाम 4 बजे तक 91 लाख से अधिक लोग पुण्य की डुबकी लगा चुके थे और सूर्यास्त तक त्रिवेणी में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 1.03 करोड़ पहुंच गई।

सनातनी किन्नर अखाड़े ने किया गंगा स्नान, बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर संकल्प का आवाहन-मकर संक्रांति स्नान पर्व पर सभी समान भाव से पुण्य की डुबकी लगाते दिखाई दिए। माघ मेला क्षेत्र में प्रयागवाल नगर में कल्पवास कर रहा सनातनी किन्नर अखाड़ा पूरे उत्साह के साथ सुबह गंगा तट के लिए निकला । इस दौरान रास्ते में किन्नर अखाड़े के शिष्यों द्वारा तांडव नृत्य की प्रस्तुति की गई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय व अलौकिक बना दिया। अखाड़े के सदस्यों ने गंगा तट पहुंचकर सबसे पहले अपनी कुलदेवी बउचरा माता को गंगा स्नान कराया और फिर सामूहिक स्नान किया। इस दौरान अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं का उत्पीड़न हो रहा है, उसे देखते यूपी के सीएम योगी जी के सभी सनातनियों के एकजुट होने के आह्वान को संकल्प में बदलने का समय आ गया है। सभी सनातनी एकजुट होंगे तभी सुरक्षित रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

डायन बताकर महिला की हत्या, महिला आयोग ने मांगी रिपोर्ट, आयोग की अध्यक्ष ने कहा- ऐसी घटना दुर्भाग्यपूर्ण है

पटना। पटना के बिहटा थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव में बुधवार को बच्चे की मौत हुई थी। आक्रोशित परिवार वालों ने 32 वर्षीय जूही देवी को डायन का आरोप लगाकर लाठी-डंडों से पीट-पीट कर मार डाला। इस मामले पर बिहार राज्य महिला आयोग ने संज्ञान लिया है और नियमानुसार जांच करते हुए संलिप्त दोषियों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई करने की मांग की है। कार्रवाई की रिपोर्ट आयोग को सौंपने को कहा गया है। बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष प्रो. अप्सरा ने कहा कि एक महिला को डायन बताकर मार दिया गया है। इस मामले को संज्ञान में आने के बाद हमने वरीय पुलिस अधीक्षक (SSP) को चिट्ठी लिखी है। यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारा कानून भी ऐसी चीजों के प्रति सख्त है। महिला आयोग भी ऐसे घटनाओं का सख्ती से विरोध करता है। पटना जैसे जगह में इस तरह का मामला आना सही नहीं है। हम जिस समाज में जी रहे हैं, वहां महिलाएं आगे बढ़ रही है, मगर ऐसे मामले महिलाओं के प्रति निराशाजनक है। इस घटना का कारण डायन विवाद और आपसी रंजिश बताया जा रहा है। मृतक जूही के पिता हरेंद्र राम ने पुलिस को बताया था कि उनकी बेटी मकर संक्रांति पर अपने मायके आई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मंगलवार को उनके गोतिया में एक 6 माह के बच्चे की मौत हुई थी, जिसके बाद आरोपियों ने उनके परिवार पर डायन होने का आरोप लगाया। पिता के अनुसार, डायन विवाद के चलते आरोपियों ने उनकी बेटी जूही देवी पर लोहे के रॉड और ईंट-पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

अंडर-19 वर्ल्ड कप की शुरूआत, यूएसए बनाम भारत, वैभव सुर्यवंशी 2 रन बनाकर आउट

पटना। आज अंडर-19 वर्ल्ड कप का आगाज हो गया। भारत का पहला मुकाबला यूएसए से है। अंडर-19 वर्ल्ड कप में वैभव सूर्यवंशी 2 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, बल्लेबाजी से पहले वैभव ने गेंदबाजी में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। 36वें ओवर की दूसरी ही गेंद पर वैभव ने यूएसए के सबसे सफल बल्लेबाज का विकेट झटका। वैभव ने नीतीश सुदिनी को आउट किया और इसी के साथ यूएसए की पूरी टीम 107 रन पर ढेर हो गई। पहले मैच में भारत ने USA को 107 रन पर ऑलआउट कर दिया। यह मैच जिम्बाब्वे के बुलावेयो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला जा रहा है। उन्होंने हाल ही में अपनी कप्तानी में साउथ अफ्रीका को वनडे सीरीज में हराकर खिताब भारत के नाम किया था। उनके इस प्रदर्शन से सभी अब वर्ल्ड कप में उनके रिकॉर्ड्स की उम्मीद लगाए हुए हैं। ये विश्व कप वनडे फॉर्मेट पर खेला जाएगा, यानी पूरे 50 ओवर का मुकाबला होगा। अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम 5 बार चैंपियन रही है। वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 एशिया कप में एक यूथ वनडे मैच में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 14 छक्के लगाए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के माइकल हिल का 12 सिक्स वाला रिकॉर्ड तोड़ दिया। माइकल ने 2008 में नामीबिया के खिलाफ रिकॉर्ड बनाया था। UAE के खिलाफ अपने पिछले मैच में उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। इसके साथ ही वैभव ने शतक भी जड़ा था। उन्होंने यूएई के खिलाफ 56 बॉल पर सेंचुरी पूरी की। 95 बॉल पर उन्होंने 171 रन बनाए थे। शतक लगाने के बाद वह फील्ड पर ही हाथ जोड़कर भगवान को धन्यवाद करते हुए दिखे थे। वैभव की इस विस्फोटक पारी के दम पर भारत ने यूथ वनडे में सबसे बड़ा टोटल 433 रन बनाया था। इसके जवाब में यूएई 199 रन ही बना सकी थी। भारत ने 234 रनों के बड़े अंतर से मैच जीता था।

दिल्ली-पटना फ्लाइट में तकनीकी गड़बड़ी, सांसद ने रद्द की यात्रा, उड़ान के 15 मिनट बाद इंजन में फॉल्ट

पटना। दिल्ली से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E 2425 को बुधवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरने के करीब 15 मिनट बाद ही इंजन में गड़बड़ी की सूचना दी, जिसके बाद पायलट ने एहतियातन विमान को वापस ले जाने का फैसला किया। सूत्रों के अनुसार, पायलट ने पहले लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने पर विमान को दिल्ली वापस लाया गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई, जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। विमान से जमुई के लोजपा (रामविलास) सांसद अरुण भारती भी पटना आ रहे थे। वे मकर संक्रांति के अवसर पर चूड़ा-दही भोज और पार्टी की बैठक में शामिल होने वाले थे। दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी और गुरुवार के लिए दूसरी फ्लाइट की टिकट बुक कराई। उनके साथ कुल 10 यात्रियों ने सफर रद्द किया। यात्रियों ने बताया कि तकनीकी खराबी के दौरान करीब 20 मिनट तक विमान में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। हालांकि क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को संभाले रखा, लेकिन यह नहीं बताया गया कि इंजन में किस तरह की खराबी आई है। इस बात को लेकर कई यात्रियों में नाराजगी भी देखने को मिली। दिल्ली में तकनीकी जांच और मरम्मत के बाद यही विमान शाम साढ़े छह बजे दोबारा पटना के लिए रवाना हुआ। इस फ्लाइट का पटना पहुंचने का निर्धारित समय शाम 4 बजे था। देरी के कारण पटना से दिल्ली जाने वाले यात्रियों में भी नाराजगी दिखी। पटना से दिल्ली जाने वाले करीब 20 यात्रियों ने सफर रद्द कर दिया। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर एयरलाइन प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए जानकारी न देने और देरी को लेकर सवाल उठाए।

अपनी जान बचाने के लिए मुन्ना शुक्ला का नाम लिया, स्टेशन मास्टर ने दी सफाई

हाजीपुर। हाजीपुर-सुगौली रेलखंड स्थित लालगंज पकड़ी स्टेशन पर एक स्टेशन मास्टर का कुछ युवकों को धमकी देते हुए वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में स्टेशन मास्टर 'बाहुबली' मुन्ना शुक्ला का नाम लेते हुए दिख रहे हैं। हालांकि, स्टेशन मास्टर मनोज कुमार ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जान बचाने के लिए मुन्ना शुक्ला का नाम लिया था। स्टेशन मास्टर मनोज कुमार के अनुसार, कुछ दिन पहले स्थानीय युवक प्लेटफॉर्म पर बाइक चला रहे थे। जब उन्होंने बाइक चलाने से मना किया, तो युवकों ने उनसे झगड़ा करना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद, लगभग एक दर्जन युवक वापस लौटे और रेलवे पटरी पर पत्थर रख दिए। उसी समय एक ट्रेन भी आने वाली थी। जब स्टेशन मास्टर पत्थर हटाने पहुंचे, तो युवकों ने उनसे उलझना शुरू कर दिया और मारपीट पर उतारू हो गए। अपनी जान बचाने के लिए स्टेशन मास्टर ने खुद को मुन्ना शुक्ला का भतीजा बताया और उनका नाम लिया। इसके बाद मारपीट पर उतारू युवक मौके से फरार हो गए। बहरहाल, स्टेशन मास्टर का धमकी देते हुए यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिस पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। यह घटना दर्शाती है कि पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला के जेल में होने के बावजूद, उनके नाम का इस्तेमाल अभी भी बाहर किया जा रहा है, चाहे वह जान बचाने के लिए हो या धमकी देने के लिए।

नीट की छात्रा से सेक्सुअल असॉल्ट, पिता बोले-गैंगरेप के बाद मार डाला

एजेंसी, पटना

हॉस्टल के कमरे में बेहोश मिली, शरीर पर खरोंच के निशान

पटना के हॉस्टल में NEET छात्रा की मौत के 4 दिन बाद गुरुवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई है। इसमें छात्रा के साथ सेक्सुअल असॉल्ट की पुष्टि हुई है। सेकेंड ओपिनियन लेने के लिए रिपोर्ट पटना AIIMS में जा रही है। सबूत के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ हॉस्टल के अंदर न हो, इसके लिए वार्डन मनीष रंजन को अरेस्ट कर लिया गया है। मामले में इलाज कर रहे हर एक डॉक्टर का स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया गया है। पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी कराई गई है। अब पटना पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पटना से जहानाबाद तक अब जांच होगी। क्योंकि पटना पुलिस ने 100 से अधिक कैमरे चेक कर लिए हैं। छात्रा जिस जिस रूट से गुजरी है, सबका फुटेज कलेक्ट किया गया है। छात्रा के पिता ने हॉस्टल के कुछ लोगों पर रेप के बाद हत्या का आरोप लगाया है। इधर, घटना के बाद से हॉस्टल के गेट पर ताला लटका है। सभी छात्राएं खाली कर के जा चुकी हैं।

नकाबपोश लोगों ने हॉस्टल के बाहर आगजनी की: पुलिस के सामने बयान देने से भी बच्चियां डर रही हैं। आसपास के लोग भी मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। छात्रा इस हॉस्टल में पिछले ढाई से रह रही थी। 3 दिन पहले मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे परिवार पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। घटना के बाद से लोगों में गुस्सा है। शंभू गर्ल्स हॉस्टल में तोड़फोड़ की गई। कुछ नकाबपोश लोगों ने पत्थरबाजी और आगजनी की है। पुलिस ने आगजनी और तोड़फोड़ का वीडियो सामने आने के बाद केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, सूत्रों की माने तो छात्रा के साथ गैंगरेप की बात सामने आ रही है।

6 जनवरी को हॉस्टल में बेहोश मिली थी छात्रा: ASP सदर अभिनव कुमार ने बताया, 5 जनवरी को छात्रा घर से लौटी थी। हॉस्टल की दूसरी छात्राओं के साथ 6 जनवरी को खाना खाया और अपने कमरे में चली गई। इसके बाद वो बाहर नहीं आई। हॉस्टल कर्मियों को जब आशंका हुई तो उन्होंने गेट तोड़कर बेहोशी की हालत में उसे निकाला और अस्पताल में एडमिट कराया। अस्पताल प्रबंधन से मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो छात्रा बेहोशी की हालत में थी। अस्पताल की गायनेकोलॉजिस्ट से जब लड़की से दुष्कर्म को लेकर सवाल पूछे गए तो उन्होंने बताया कि प्राइवेट पार्ट पर चोट या जख्म नहीं पाए गए हैं। इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई।

पिता बोले- मर्डर हुआ, हॉस्टल वाले झूठ बोल रहे: छात्रा के पिता ने बताया, बच्ची का साजिश के तहत मर्डर किया गया है। सारे हॉस्टल वाले मिले हुए थे और शाम को खबर मिली कि आपकी बच्ची बेहोश है। आ जाइए पटना। हमलोग आए और प्रभात मेमोरियल अस्पताल में भर्ती करवाया है। वहां 5 दिन रहे, उसके बाद वेदांता गए। हॉस्टल वाले झूठ बोल रहे हैं कि उसकी तबीयत खराब हो गई थी। हम लोगों के आने से पहले हॉस्टल के सभी CCTV फुटेज हटा दिए गए, ताकि आरोपी की पहचान न हो सके। वो लोग कह रहे हैं कि बच्ची ने नींद की गोली खाई है, लेकिन ऐसा नहीं है।' मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि हॉस्टल वालों ने ही खुद बचने के लिए दवा कमरे में रखी है। हॉस्टल वालों ने उसके पैसे भी निकाल लिए। हमने बॉडी देखी है। शरीर में कई जगहों पर जख्म के निशान मिले हैं।

मामा बोले- हॉस्टल संचालक ने पैसे का ऑफर देकर मामले को दबाने की कोशिश की

मामा सुभाष कुमार ने बताया, '6 तारीख की शाम में एक दूसरे शख्स के माध्यम से फोन पर जानकारी मिली कि आपकी बेटी बेहोश पड़ी हुई है। इसके बाद हम लोगों ने वार्डन से संपर्क किया। तब उसने बताया कि आपकी बच्ची बेहोश हो गई है। डॉक्टर सहजानंद के पास एडमिट कराया है। हम लोग रास्ते में ही थे, तब तक नीतू मैम ने बताया कि आपकी बच्ची की कंडीशन खराब होती जा रही है। दूसरी जगह एडमिट कराना होगा। फिर मैंने पटना में अपने दोस्तों से संपर्क किया और उन्हें अस्पताल भेजा। वो लोग जब वहां पहुंचे तो बच्ची बोल भी नहीं पा रही थी और न बॉडी में किसी तरह का मूवमेंट था। फिर वहां से उसे प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल में लेकर चले आए। यहां पर एक दिन तक बहुत अच्छे से इलाज किया गया। वहां के जूनियर डॉक्टर अभिषेक ने बताया कि लड़की की बॉडी पर बहुत सारे चोट और खरोच के निशान हैं। हेड इंजरी है। उन्होंने देखकर ही आशंका जता दी कि लड़की के साथ गलत हुआ है। मामा का आरोप है कि, 9 जनवरी को FIR करने के बाद शंभू गर्ल्स हॉस्टल की ऑनर आई थी और पैसे का ऑफर देकर FIR वापस लेने का दबाव बनाने लगी। वो हम लोगों से डील करने लगी कि हॉस्टल का क्रेडिट मत खराब कीजिए। जितने रुपए चाहिए, मैं आपको दूंगी। बस कंप्लेन वापस ले लीजिए। हम लोगों ने चित्रगुप्त नगर के SHO को जानकारी दी। इसके बाद वो वहां पर आईं। उसे गिरफ्तार किया, लेकिन थाने ले जाकर छोड़ दिया। सब एक दूसरे से रुपए लेकर बिक गए हैं।

शराब पीलाकर गला रेता, लाश गंगा में फेंकी

एजेंसी, पटना

भाई की हत्या का लिया बदला, मरने वाला का आरोपी की भाभी से था अवैध संबंध

पटना सिटी में एक शख्स की हत्या हुई है। मरने वाला पंकज (26) है। जिसने आरोपी के चचेरे भाई का 2 साल पहले मर्डर किया था और उसकी पत्नी से अवैध संबंध शुरू कर दिया था। आरोपी विकास उर्फ भानु महिला का चचेरा देवर है। विकास ने पंकज से कई बार कहा था कि भाभी से दूर रहो, पर पंकज की विकास की भाभी से दूरियां नहीं बन रही थी। इसी वजह से विकास में काफी खुन्नस था। उसने अपने 2 दोस्तों के साथ हत्या की साजिश रची। पंकज को शराब पार्टी के लिए सोमवार को विकास ने बुलाया। विकास अपने 2 दोस्तों के साथ पहले से मौजूद था। पंकज आया तो उसे खूब शराब पिलाई। जब वो पूरी तरह से नशे में आ गया तो विकास ने अपने 2 दोस्तों के साथ उसका गला रेत दिया और लाश को गंगा नदी में ठिकाने लगा दिया। जिस गंडासे से गला रेता था उसे भी नदी में फेंक दिया। बुधवार देर शाम गंगा नदी में पंकज की लाश मिली थी।

घटना खाजेकला थाना क्षेत्र की है। मामले की जानकारी सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार दी है।

पिता ने नामजद मामला दर्ज कराया था: पुलिस के अनुसार शराब पार्टी के बाद पंकज अपने घर देर रात तक नहीं लौटा। जिसके बाद उसके परिजन उसकी खोजबीन में जुट गए थे। मोहल्ले के लोगों से भी पंकज के बारे में पूछा। तब पता चला कि विकास और उसके दोस्त पंकज को लेकर कहीं गए हैं। जिसके बाद मृतक पंकज के पिता विजय राय ने खाजेकला थाना में गुमशुदगी का आवेदन दिया और हत्या की आशंका जाहिर की। विकास, सागर कुमार और गोलू कुमार के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया।

घटनास्थल से 100 मीटर दूर फेंकी थी लाश: मामला प्रकाश में आने के बाद पुलिस ने टीम का गठन किया और तीनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो तीनों ने अलग-अलग बयान दिया। जिसके बाद पुलिस का शक गहरा गया। कड़ाई से पूछताछ में तीनों ने अपना जुर्म कबूल लिया। जिसके बाद पुलिस तीनों आरोपियों को उसी जगह ले गई जहां उन्होंने पंकज की हत्या की थी। उस जगह खून के निशान भी मिले। वहां से करीब 100 मीटर दूर टेढ़ी घाट पर शव को फेंक दिया। अब पुलिस पूरे साक्ष्य के आधार पर तीनों आरोपियों को स्पीडी ट्रायल के तहत सजा दिलाने की तैयारी शुरू कर दी है।

पुलिस ने इन्हें पकड़ा: हत्या की साजिश आरोपी विकास ने अपने दोस्त गोलू और सागर कुमार के साथ रची थी। पूरी प्लानिंग गोलू के घर पर बनी थी। जिसके बाद पंकज को शराब पार्टी के लिए बुलाया गया। जिस गंडासे से पंकज का गला रेता गया था, वो अभी पुलिस के हाथ नहीं लगा है। पुलिस उसकी खोजबीन कर रही है।

दानापुर में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, वीरों को दी गई सलामी

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर स्थित बिहार रेजिमेंट केंद्र में भारतीय थल सेना ने थल सेना दिवस मनाया। इस अवसर पर सैकड़ों सैनिकों ने वीर स्मृति स्थल पर देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह दिवस प्रतिवर्ष 15 जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन 15 जनवरी 1949 को फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा ने अंग्रेज अधिकारियों से भारतीय थल सेना की कमान संभाली थी, जिसके बाद से यह परंपरा चली आ रही है।

फील्ड मार्शल के सम्मान में मनाया जाता है: थल सेना दिवस मूल रूप से फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा के सम्मान में मनाया जाता है। इस दिन देशभर में सैनिक अपने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और विभिन्न स्थानों पर परेड मार्च तथा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। सेना के उच्च मुख्यालयों में भी विशेष कार्यक्रम होते हैं। बिहार रेजिमेंट केंद्र में आयोजित पुष्पांजलि समारोह में मेजर हसन खान, सूबेदार मेजर नवीन कुमार, केंद्र सूबेदार मेजर, सूबेदार उपेंद्र कुमार सिंह और केंद्र सूबेदार दंडपाल सहित कई जेसीओ तथा कई सैनिकों ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान बिहार रेजिमेंट केंद्र के बैंड ने 'वंदे मातरम' और रेजिमेंटल गीत सहित देशभक्ति की धुनें बजाईं।

थल सेना दिवस पर बिहार रेजिमेंट केंद्र के वीर स्मृति स्थल में कार्यक्रम

दानापुर में 5 दिन से लापता शख्स की लाश मिली, नाले में पड़ा था शव

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर थाना अंतर्गत गोला रोड स्थित पुलिस कॉलोनी के पास नाले से एक व्यक्ति लाश मिली है। मृतक की पहचान मनेर थाना क्षेत्र के मौलिनगर निवासी जितेंद्र राय के रूप में हुई है, जो 10 जनवरी से लापता थे। शव मिलने की सूचना पर डायल-112 की टीम और दानापुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शव को नाले से बाहर निकाला। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने शव की पहचान की। पुलिस को परिजनों का नंबर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचित किया, जिसके बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे।

मृतक के साले सुशील कुमार ने बताया कि जितेंद्र राय 10 जनवरी को अपनी मां के श्राद्धकर्म में शामिल होने के लिए मनेर के मौलिनगर स्थित

अपने घर से दानापुर के गोसाई टोला स्थित ससुराल के लिए निकले थे। जब वे घर नहीं पहुंचे और उनका फोन भी नहीं लगा, तो परिजनों ने मनेर थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जितेंद्र राय के 5 छोटे बच्चे हैं। जब पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, तो परिजनों ने इसका विरोध किया। उनका कहना था कि जब तक परिवार के अन्य सदस्य नहीं आ जाते, तब तक शव को नहीं ले जाने दिया जाएगा।

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी दीक्षांत समारोह, 31 टॉपरों को मिलेगा गोल्ड मेडल, 29 जनवरी को होना है कार्यक्रम

एजेंसी, पटना

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह 29 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। इस दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन करने की आज आखिरी तारीख है। छात्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जाकर कन्वोकेशन रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक पर क्लिक करेंगे। फिर अपना रजिस्ट्रेशन नंबर, डेट ऑफ बर्थ और कैप्चा डालकर अपना डिटेल्स भरेंगे। इस बार कुल 31 टॉपरों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। इसमें एक बार फिर से बेटियों का जलवा बरकरार है। इस सूची में 22 छात्राओं ने बाजी मारी है। वहीं, सिर्फ 9 छात्र शामिल हैं।

65 पीएचडी पास को मिलेगी डिग्री: 2023-25 में विभिन्न संकायों और पाठ्यक्रमों के पीजी विभागों के टॉप 10 छात्राएं ऑनलाइन आवेदन कर ऑन-स्पॉट डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही 65 पीएचडी पास छात्र-छात्राओं

को भी डिग्री प्रदान की जाएगी। इस समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति-राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां करेंगे। वहीं, शिक्षा मंत्री सहित विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष सहित तमाम विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को भी आमंत्रण दिया गया है।

31 टॉपर की सूची, जिन्हें मिलेगा गोल्ड मेडल: बॉटनी में शुभम कुमार, केमिस्ट्री में मनीषा कुमारी, इलेक्ट्रॉनिक में कुणाल कुमार ठाकुर, एनवायरमेंटल साइंस में अक्षदा भट्ट, मैथ्स में आर्यन राज, फिजिक्स में मुस्कान कुमारी, जूलॉजी में प्रगति कुमारी, इंग्लिश में रेशमा दरख्शां, हिंदी में आर्या कुमारी, म्यूजिक में साक्षी सेजल, फिलॉसफी में कुमार कृष्णानंद, पाली में नीतीश कुमार, प्रकृति में सुनीता यादव, संस्कृत में अनिकेत कुमार, उर्दू में वाजदा तबस्सुम, कॉमर्स में जूही कुमारी, असिएंट हिस्ट्री में सुनील कुमार, इकोनॉमिक्स में अमृता प्रीतम का नाम टॉपर के लिस्ट में शामिल है।

इसके साथ ही ज्योग्राफी में संध्या राय, हिस्ट्री में सृष्टि रानी, होम साइंस में अंजनी कुमारी, श्रम एवं समाज कल्याण में जगदंबा कुमारी, पॉलिटिकल साइंस में मनीष राज, साइकोलॉजी में फरहा तबस्सुम, लोक प्रशासन में जूली सिंह, समाजशास्त्र में छवि करीना, एमबीए में आकांक्षा कुमारी, एमसीए में अनीश कुमार, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में अदिति राज, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में सृष्टि कुमारी और एमएड में शशि राज भारती को भी गोल्ड मेडल दिया जाएगा।

आशुतोष राणा बोले-बिहार की भाषा में अलग ही मिठास है, पटना पहुंचे बॉलीवुड एक्टर

एजेंसी, पटना

बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा गुरुवार को पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपनी आनी वाली फिल्म 'वन टू चा चा चा' का प्रमोशन किया। साथ ही बिहार के लोगों की जमकर तारीफ की। आशुतोष राणा ने कहा कि देश में बिहारियों ने अपने प्रतिभा का जलवा बिखेरा है। बिहार की भाषा में एक अलग ही मिठास है। आगे कहा कि यह फिल्म हास्य और मनोरंजन से भरपूर भरा फिल्म है, जो शुक्रवार को रिलीज होगी। आशुतोष राणा ने बताया कि यह फिल्म की पृष्ठभूमि बिहार से है। आशुतोष राणा ने निजी होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कलाकारों और निर्माताओं ने फिल्म की कहानी के बारे में बताया। इसके हास्य से भरपूर अंदाज़ और फैमिली एंटरटेनर अपील पर खुलकर बातचीत की। टीम ने बताया कि फिल्म में कन्फ्यूजन से उपजा ह्यूमर, तेज कॉमिक टाइमिंग और अनपेक्षित मोड़ दर्शकों को हंसाने वाले हैं।

फिल्म को लेकर कलाकारों में खासा उत्साह दिखा: ललित प्रभाकर ने कहा, यह फिल्म खुशनुमा पागलपन से भरी है। शूटिंग के दौरान हम लगातार हंसते थे और वही एनर्जी दर्शकों तक पहुंचेगी। वहीं अनंत वी जोशी बोले, इस फिल्म में कन्फ्यूजन ही असली हीरो है, जो इसे बेहद मजेदार बनाता है। इस दौरान हिंदी फिल्म जगत के स्टार आशुतोष राणा ने अपने अलग अंदाज़ पर कहा, कॉमेडी भी उतनी ही चुनौतीपूर्ण होती है जितनी गंभीर भूमिका। इस फिल्म में दर्शक मेरा हल्का-फुल्का रूप देख पाएंगे। फिल्म की तकनीकी टीम भी मजबूत है। सिनेमैटोग्राफी अमोल गोले, प्रोडक्शन डिजाइन बिजोन दासगुप्ता, एडिटिंग रंजीत बहादुर, कोरियोग्राफी चित्री प्रकाश और आदिल शेख, जबकि बैकग्राउंड स्कोर नेशनल अवॉर्ड विजेता हर्षवर्धन रमेश्वर ने दिया है।

बोले- फिल्म 'वन टू चा चा चा' की पृष्ठभूमि बिहार से, आज होगी रिलीज

निर्माताओं का कहना है कि 'वन टू चा चा चा' बड़े पर्दे पर हंसी और खुशी का जश्न है। निर्देशक द्वय ने इसे नियम तोड़ने वाली, बेफिक्र और दिल से जुड़ने वाली कॉमेडी बताया। पेलुसिडार प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक राज और रजनीश ठाकुर ने किया है, जबकि अमित गुप्ता सह-निर्माता हैं। फिल्म में आशुतोष राणा, अभिमन्यु सिंह, मुकेश तिवारी, हर्ष मायर, ललित प्रभाकर, अनंत वी जोशी, अशोक पाठक और नायरा एम बनर्जी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

तेजप्रताप ने सिंगर को डांटा- अश्लील गाना मत गाओ

एजेंसी, पटना

लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने मकर संक्रांति के मौके पर दही-चूड़ा का भोज दिया। तेजप्रताप के भोज का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में तेजप्रताप यादव एक सिंगर को हड़काते दिख रहे हैं। वो कह रहे हैं केवल यादव जी वाला गाना गा रही हो। बंद करो ये सब।

वीडियो में क्या है: तेजप्रताप यादव के भोज में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। स्टेज पर एक महिला सिंगर गाना गा रही थी। तभी तेजप्रताप कहते हैं कि गाना रोकिए। वल्गर गाना मत गाइए यहां। पूजा पाठ वाला गाना गाओ, भगवान वाला गाना गाओ। आगे तेजप्रताप कहते हैं कि खाली यादव जी वाला गा रही है गाना। भजन गाओ कृष्ण भगवान का। केवल वल्गर गाना गा रही हो।

तेजप्रताप यादव के दही-चूड़ा भोज में उनके पिता और राजद प्रमुख लालू प्रसाद भी पहुंचे। तेजप्रताप के पार्टी और घर से निकाले जाने के बाद यह पहला मौका था, जब लालू उनसे मिले। इसके बाद राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा है कि लालू की बेटे से नाराजगी दूर हो गई है। एक दिन पहले ही तेजप्रताप ने राबड़ी आवास जाकर अपने पिता-माता और भाई तेजस्वी को न्योता दिया था। इसमें उनके मामा प्रभुनाथ, साधु यादव और विधायक चेतन आनंद भी पहुंचे। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी पहुंचे। लेकिन, तेजस्वी शामिल नहीं हुए।

ख़ास ख़बर

खिचड़ी वितरित कर दिया श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश

लोकतंत्र की शान : देहरादून। मकर संक्रांति के अवसर पर गोविंदगढ़ की उत्तरांचल वैश्य अग्रवाल सभा ने 20वां खिचड़ी वितरण कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता के भाव के साथ आयोजित किया। इस अवसर पर सभा के उत्तरांचल महासभा के अध्यक्ष शशांक गुप्ता पदाधिकारियों व सदस्यों ने बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और राहगीरों को खिचड़ी वितरित की। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करना व जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना रहा। सभा के संरक्षक अनन्ता कुमार गुप्ता और वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन पिछले 20 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है और यह सामाजिक सेवा की एक सशक्त परंपरा बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तरांचल वैश्य अग्रवाल सभा भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार तिवारी ने कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, स्वच्छता एवं सेवा भाव का विशेष ध्यान रखा गया। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मुकुल अग्रवाल, सुनील गुप्ता, गिरीश गर्ग, एसके गोविंद, नीता अग्रवाल, सविता अग्रवाल और संजीव गोयल आदि मौजूद रहे।

प्रतिबंधित नशीली दवा के साथ तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : हरिद्वार। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पुलिस के हाथ बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने प्रतिबंधित नशे की दवा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक जनपद हरिद्वार की पुलिस नशा मुक्त देवभूमि अभियान के तहत मुहिम चलाए हुए हैं। इसी के चलते चैकिंग के दौरान मंगलौर कोतवाली पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर आरोपित के कब्जे से प्रतिबंधित ट्रामाडोल की 192 नशीली गोलियां बरामद हुई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है। आरोपित का नाम पता शिवम पुत्र प्रताप निवासी ग्राम मंझौल, थाना देवबन्द, जनपद सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) बताया गया है।

फतेहाबाद में एसबीआई का तीन घंटे तक बजता रहा सायरन, दहशत में लोग

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। शहर के रतिया रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में गुरूवार सुबह अचानक सायरन बजने से क्षेत्र में हडकंप मच गया। सुबह करीब 5 बजे सायरन बजना शुरू हुआ, जोकि करीब 3 घंटे तक बजता रहा। बैंक के सायरन की आवाज सुनकर आसपास के क्षेत्र में रह रहे लोग किसी अनहोनी से दहशत में आ गए। करीब एक घंटे तक सायरन की आवाज आती रहने के बावजूद जब कोई गतिविधि नजर नहीं आई तो प्रोफेसर कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने सुबह करीब 6 बजे डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इसके साथ ही रतिया चुंगी पुलिस चौकी को भी मामले से अवगत कराया गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत बैंक शाखा पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने बैंक अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। बताया गया कि बैंक मैनेजर हिसार से आती हैं, जिसके चलते स्थानीय स्तर पर शाखा तत्काल नहीं खोली जा सकी। मिली जानकारी के अनुसार एसबीआई की रतिया रोड स्थित ब्रांच में गुरूवार सुबह करीब 5 बजे अचानक सायरन बजने लगा। करीब एक घंटे तक भी जब सायरन बंद नहीं हुआ, तो प्रोफेसर कॉलोनी के एक व्यक्ति ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और बैंक अफसरों के नंबर पता करके उन्हें सूचना दी। बैंक के अफसरों ने सिक्योरिटी गार्ड को सूचना दी। सुबह करीब सवा 8 बजे बैंक का सिक्योरिटी गार्ड मौके पर पहुंचा। पुलिस कर्मचारियों ने गार्ड से ब्रांच का ताला खुलवाया और अंदर जाकर जांच की। जांच के दौरान बैंक के भीतर किसी भी तरह की तोडफ़ोड़ या चोरी जैसी बात नहीं मिली। सभी सिस्टम और लॉकर पूरी तरह सुरक्षित पाए गए, जिससे सभी ने राहत की सांस ली।चूहों के कारण बजता है सायरनबैंक के सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि कई बार तकनीकी खराबी या चूहों की वजह से भी सायरन एक्टिव हो जाता है। करीब तीन घंटे बाद सायरन को बंद किया गया, जिसके बाद पुलिस, बैंक अफसरों और आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने बैंक प्रबंधन को तकनीकी सिस्टम की जांच कराने की सलाह दी है, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचा जा सके।

फतेहाबाद : ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में बिजली कर्मचारी 22 को करेंगे भूख हड़ताल

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। बिजली कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में 22 जनवरी को एक्सईन कार्यालय पर भूख हड़ताल की जाएगी। इससे पूर्व 19 जनवरी को बिजली कर्मचारी डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन कर 12 फरवरी को होने वाली हड़ताल का नोटिस देंगे। यह निर्णय गुरूवार को ऑल हरियाणा पॉवर कॉरपोरेशन वर्कर्स यूनियन फतेहाबाद यूनिट की यूनियन कार्यालय में हुई बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता यूनिट प्रधान अमित शर्मा ने की व संचालन यूनिट सचिव रामनिवास शर्मा ने किया। बैठक में बिजली कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। मीटिंग में जहां कर्मचारियों की मांगों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई, वहीं आगामी आंदोलनों की तैयारियों को लेकर विचार विमर्श हुआ। मीटिंग को संबोधित करते हुए सर्कल सचिव भूप सिंह व अमित शर्मा ने बताया कि सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा व अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर हाईकोर्ट के आदेश अनुसार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, पब्लिक सैक्टर को बचाने सहित अन्य मांगों को लेकर 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की जाएगी। इस हड़ताल में बिजली कर्मचारी भी बढ़चढ़ कर भाग लेंगे। हड़ताल को लेकर 18 जनवरी को डीसी कार्यालय पर सर्व कर्मचारी संघ के साथ मिलकर रोष प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 22 जनवरी को बिजली कर्मचारी ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में सुबह 11 बजे से 4 बजे तक एक्सइन कार्यालय पर भूख हड़ताल करेंगे। उन्होंने बिजली कर्मचारियों से इन प्रदर्शनों मे बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। मीटिंग में यूनियन के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुरक्षा के दृष्टिगत एनएचएआई ने हटाया चंडी चौक से हाईमाक्स विद्युत पोल

लोकतंत्र की शान : हरिद्वार। सड़क सुरक्षा समिति की निरीक्षण रिपोर्ट के बाद एनएचएआई ने चण्डी चौक पर लगे हाईमाक्स विद्युत पोल को आज हटा दिया। इस विद्युत पोल के हटने से अब यातायात बाधित नहीं होगा। इस संबंध में प्रोजेक्ट मैनेजर एनएचएआई अतुल शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को बाधित कर रहे पोल, होडिंग, यूनिपोल को जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा एवं श्रीमती नेहा झा के द्वारा चिन्हित हाई माक्स लाइट पोल, जो कि चंडी चौक चौराहे, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 34 पर हरिद्वार से नजीबाबाद जाने वाले यातायात को प्रभावित कर रहा था। जिससे दुर्घटना होने की संभावना हर समय बनी रहती थी।

बड़वारा पुलिस ने अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली की जप्ती

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ के जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटनी श्री संतोष डेहरिया एवं डीएसपी मुख्यालय श्रीमती उषा राय के मार्गदर्शन में थाना बड़वारा पुलिस द्वारा ग्राम बसाड़ी में अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

घटना का संक्षिप्त विवरण : दिनांक 14.01.2025 को दौरान इलाका भ्रमण, ग्राम बसाड़ी हाट बाजार के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को चेक किया गया, जिसमें रेत भरी हुई पाई गई। ट्रैक्टर को रोककर चालक से पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम संजय चौधरी पिता संतोष चौधरी उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम सुड्डी, थाना बड़वारा, जिला कटनी बताया चालक से वाहन चलाने का लाइसेंस एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरी रेत से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, जो मौके पर प्रस्तुत नहीं किए गए। रेत का अवैध परिवहन पाए जाने पर समक्ष गवाहों की उपस्थिति में ट्रैक्टर-ट्रॉली मय रेत जप्त की गई। प्त वाहन का विवरण : ट्रैक्टर : महेन्द्रा कंपनी टीच प्लस 475 DI, रंग : लाल, विक्रेता : के.पी. मोटर्स, कृषि उपज मंडी रोड, कटनी, इंजन नंबर : NSL2J FE0257, चेसिस नंबर : MBN PFAJUZSNMO5581 नंबर प्लेट : उपलब्ध नहीं जप्त किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को थाना बड़वारा लाकर सुरक्षार्थ खड़ा किया गया एवं नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। विशेष भूमिका : उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि के.के. पटेल, सउनि रामनाथ साकेत, आरक्षक शिवप्रकाश तिवारी सिंह एवं आरक्षक बृजलाल प्रजापति की विशेष भूमिका रही।

यमुनानगर में ट्रक की टक्कर से 12 वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत, चालक फरार

लोकतंत्र की शान

यमुनानगर। यमुनानगर में गुरुवार की सुबह हुए सड़क हादसे में 12 वर्षीय बच्चे की जान चली गई। यह दुर्घटना पांसरा फाटक के समीप नम्बरदार धर्मकांटा के सामने हुई, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक चालक बच्चे को कुचलते हुए मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान विक्रम (12) पुत्र राम बाबू साहनी के रूप में हुई है, जो बिहार के समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-5, तबका पछियारी पंडित टोला का निवासी था। विक्रम वर्तमान में अपनी मां शांति देवी के साथ यमुनानगर में किराये के मकान में रह रहा था। उसके पिता राम बाबू साहनी करनाल के तरावड़ी स्थित मानसी राइस मिल में मजदूरी करते हैं। परिजनों के अनुसार, विक्रम अपने दोस्त वंश और एक अन्य साथी के साथ स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था। बाइक विक्रम स्वयं चला रहा था। इसी दौरान थर्मल प्लांट की ओर से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही विक्रम सड़क पर गिर पड़ा और ट्रक का अगला टायर उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार दोनों अन्य बच्चे भी घायल हो गए। हादसे के समय सड़क पर यातायात अधिक होने के कारण ट्रक का नंबर नोट नहीं किया जा सका। टक्कर के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने विक्रम को मृत घोषित कर दिया।

एड अंजुला सरावगी बजाज बनी राष्ट्रीय श्रमजीवी लीगल परिषद कटनी की जिला

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष व कटनी मंडला जिला प्रभारी वरिष्ठ अधिवक्ता आरके सिंह सैनी जी ने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि वकीलों, पत्रकारों, एवं गरीबो के उत्थान की सामाजिक लड़ाई लड़ने वाली कटनी जिला शिकायत निवारण समिति की सदस्य एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज को राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के मध्य प्रदेश के लीगल सेल के प्रदेश प्रभारी विवेक तिवारी जी ने एडवोकेट विवेक तिवारी जी ने अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे की सहमति एवं कटनी जिला अध्यक्ष गोपाल सिंघानिया की अनुशंसा पर एडवोकेट चंद्रशेखर शर्मा प्रदेश प्रवक्ता के द्वारा कटनी जिले की अधिवक्ता एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज को श्रमजीवी पत्रकार परिषद मध्य प्रदेश के लीगल प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है यह नियुक्ति राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री परमानंद तिवारी जी, एवं राष्ट्रीय संयोजक एडवोकेट नलिनकांत बाजपेई जी के मार्गदर्शन में की गई। श्री आरके सिंह सैनी जी ने बताया कि मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज लीगल प्रकोष्ठ प्रभारी को उनके द्वारा अधिवक्ताओं, पत्रकारों एवं असहाय वर्ग के जनों की लड़ाई में एवं रचनात्मक कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इनकी नियुक्ति पर मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष आर के सैनी जी प्रमोद खम्परिया अरविन्द अग्रहरि संतोष गुप्ता दीपक रजक .हसन रशीद अंतु गुप्ता वैध सुरेन्द्र विश्वकर्मा पुष्पयंन्द्र मोदी हीरा लाल जायसबाल एड डी पी परोहा एड संतु परोहा एड राजेश सिंह व उनके साहियोगियों ने हर्ष व्यक्त किया।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश ने 11 सूत्रीय मांगों के लिए दिया ज्ञापन

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

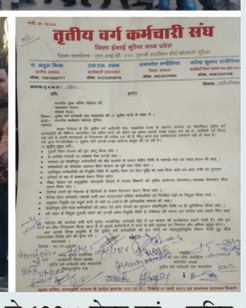

मुरैना / तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के प्रांतीय आवाहन पर कर्मचारियों की विभिन्न मांगो को लेकर ज्ञापन दिया गया तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष राम नरेश दण्डोतिया एवं कार्यकारी जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुमार राजोरिया ने बताया कि राज्य के अंतर्गत कार्यरत एवं सेवानिवृत्त तृतीय वर्ग कर्मचारियों की विभिन्न न्यायोचित एवं लंबित मांगों को लेकर डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर जी को ज्ञापन दिया गया कर्मचारी नेता जनक सिंह रावत ने कहा कर्मचारी वर्ग विगत कई वर्षों से अपनी समस्याओं के निराकरण की प्रतीक्षा कर रहा है, किंतु आज तक संतोषजनक समाधान नहीं हो पाया है ।

संघ द्वारा 11 सूत्रीय मांग सरकार को पुरी करनी चाहिए हमारी मुख्य मांग -पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू किया जाए,ई-अटेंडेंस प्रणाली पर तत्काल रोक लगाई जाए,कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान केंद्रीय तिथि से महंगाई भत्ता एवं राहत प्रदान की जाए कर्मचारियों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना का पूर्ण लाभ दिया जाएनवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति तिथि से 100% वेतन एवं वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाये एवं अंतर राशि का भुगतान एरियर्स के रूप में तत्काल प्रदान किया जाए, शिक्षा विभाग एवं अनुसूचित जनजाति विभाग में पदस्थ शिक्षकों को तृतीय क्रमोन्नत वेतनमान / समकक्ष वेतनमान शीघ्र प्रदान किया जाए लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के लिपिकों के समान वेतनमान प्रदान किया जाए दैनिक वेतन कर्मचारी / स्थायी कर्मी तथा आउटसोर्स संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर नियुक्त किया जाए अनुकंपा नियुक्ति एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर CPCT की अनिवार्यता समाप्त की जाए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को PPO एवं अन्य देयकों का भुगतान सेवानिवृत्ति तिथि पर ही सुनिश्चित किया जाए वर्ष 1997 से नियुक्त गुरुजी संवर्ग को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता की गणना कर समस्त लाभ प्रदान किए जाएं आज ज्ञापन में मनोज वशिष्ठ, रामसेवक टुंडेलकर अध्यक्ष पेंशनर संघ दिलीप जाटव, मनोज कुमार गुप्ता, शंभू दयाल दंडोतिया, सपना गांगिल,कृष्ण शर्मा, उमेश सिकरवार सुमित उपाध्याय, सुनील शर्मा, अशोक गोड़, पंजाब सिंह यादव,रामनाथ सिंह, जगदीश यादव, राजेंद्र भारती, राममूर्ति डंडोतिया,चंद्रपाल तोमर आदिराम गोड़ अध्यक्ष एवं सैकड़ो कर्मचारी उपस्थित रहे।।

राजस्थान में फिर जमी बर्फ, सीकर–अलवर में पाला; माउंट आबू माइनस तीन डिग्री

लोकतंत्र की शान

जयपुर। राजस्थान में बर्फ जमा देने वाली सर्दी का दौर एक बार फिर तेज हो गया है। गुरुवार सुबह सीकर और अलवर सहित कई जिलों में खेतों और गाड़ियों पर बर्फ जम गई। न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु के आसपास होने से कई इलाकों में पाला पड़ गया है, जिससे फसलों को नुकसान की आशंका है। मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के छह जिलों में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। हालांकि, 16 जनवरी से शीतलहर से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई गई है, जबकि 19 जनवरी से मौसम में बदलाव के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। सीकर के फतेहपुर में बुधवार को न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा। दो दिन की राहत के बाद रात में अचानक तापमान गिरने से खेतों और वाहनों पर बर्फ की परत जम गई। अलवर में भी बुधवार रात कड़ाके की सर्दी रही और गुरुवार सुबह गाड़ियों पर बर्फ जमी दिखाई दी। बुधवार को हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज सर्दी के कारण बर्फ जम गई। शेखावाटी और एनसीआर से सटे इलाकों में बर्फीली हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। प्रदेश के 15 शहरों में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे मापा गया। इनमें अलवर, पिलानी, सीकर, जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, नागौर, सिरोही, फतेहपुर, करौली, दौसा, लूणकरणसर, झुंझुनूं और पाली शामिल हैं। पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में न्यूनतम तापमान माइनस तीन डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह भले ही सर्दी और शीतलहर का असर रहा, लेकिन दिन चढ़ने के साथ धूप निकलने पर राहत मिली। बुधवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 26.6 डिग्री और पाली के जवाई क्षेत्र में 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 23.8 डिग्री रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 19 जनवरी से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है। इसके प्रभाव से जयपुर, भरतपुर और बीकानेर संभाग के जिलों में 19–20 जनवरी के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है।

आधुनिक हथियारों के प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री ने बढ़ाया सेना का मनोबल

लोकतंत्र की शान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को 78वें सेना दिवस के अवसर पर महल रोड पर आयोजित भव्य सेना दिवस परेड में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के साथ भारतीय सेना की सामरिक क्षमता, आधुनिक हथियारों और अत्याधुनिक रक्षा संसाधनों का प्रभावशाली प्रदर्शन देखा और सेना के शौर्य व पराक्रम की सराहना की। सेना दिवस परेड में विभिन्न टुकड़ियों की अनुशासित मार्चिंग, स्वदेशी तकनीक से लैस हथियार प्रणालियों और सैन्य कौशल के प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री ने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भारतीय सेना देश की सुरक्षा की मजबूत ढाल है और उसकी बहादुरी व समर्पण पर पूरे देश को गर्व है। परेड के दौरान सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आधुनिक सैन्य उपकरणों और रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में रक्षा क्षेत्र की प्रगति को दर्शाता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने सेना के शौर्य को नजदीक से देखा और जवानों का अभिनंदन किया।

सेम मुखेम मेले के बाद चला विशेष स्वच्छता अभियान

लोकतंत्र की शान

टिहरी। टिहरी जनपद की तहसील प्रतापनगर क्षेत्रांतर्गत सेम मुखेम में भगवान श्रीकृष्ण के नागराजा स्वरूप को समर्पित प्राचीन एवं पौराणिक मेले के समापन के बाद गुरुवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह मेला प्रत्येक तीन वर्ष में आयोजित होता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। मेले के उपरांत पुलिस ट्रेनिंग अकादमी, नरेंद्रनगर (टिहरी) की ओर से मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाकर कूड़े-कचरे को एकत्र कर समुचित निस्तारण किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा एवं स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से एक नेटयुक्त डस्टबिन भी स्थापित किया गया, जिससे यात्री अपने कचरे का उचित निस्तारण कर सकें और बंदरों द्वारा कचरा फैलाने की समस्या से भी निजात मिल सके। इस अभियान के माध्यम से परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के साथ श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने का संदेश भी दिया गया। पुलिस ट्रेनिंग अकादमी के महानिरीक्षक अनंत ताकवाले ने बताया कि इस स्वच्छता अभियान में पुलिस उपाधीक्षक अखलेश कुमार, एडिशनल एसआई महेश राणा, एचसी आईटीआई प्रकाश गुसाईं, सीपीटीआई बाबूराम सहित अनेक प्रशिक्षु उपाधीक्षकगण एवं अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। अभियान में दिव्येश उपाध्याय, अंकित थपलियाल, लव शर्मा, दक्ष शोखंद, समीरण भट्ट, विनय सिंह, आदित्य तिवारी, दीप्ति केड़ा, तनुजा बिष्ट, अवनी तिवारी, उपनल चालक भूपेंद्र खनेड़ा एवं उपनल अनुचर विमल का विशेष योगदान रहा।

सगन्ध पौधा केन्द्र का मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण, किसानों की आय बढ़ाने पर दिया जोर

हाई वैल्यू सगन्ध फसलों से किसानों की आर्थिकी मजबूत होगी

लोकतंत्र की शान

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने जनपद देहरादून के सेलाकुई स्थित सगन्ध पौधा केन्द्र का गुरुवार को निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हाई वैल्यू सगन्ध एवं एरोमैटिक फसलों के उत्पादन और प्रसंस्करण से प्रदेश के किसानों की आर्थिकी को मजबूती मिल सकती है। इसके लिए सगन्ध पौधा केन्द्र की ओर से किसानों को डोर-स्टेप सहायता उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने सगन्ध पौधा केन्द्र को और अधिक मजबूत किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे प्रदेशभर में इसकी गतिविधियों का विस्तार संभव होगा। उन्होंने सभी जनपदों की जलवायु एवं भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप एरोमैटिक फसलों का चयन कर अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ने तथा उत्पादन के लिए आवश्यक तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने 6 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किए जा रहे सैटेलाइट सेंटर्स को शीघ्र प्रारंभ करने, परफ्यूमरी एवं एरोमैटिक सेक्टर में डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेशन कार्यक्रम शुरू करने तथा वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से जनपदों का भ्रमण कर योजनाओं की समीक्षा करने पर भी बल दिया। साथ ही अन्य विभागों की फल एवं सब्जी आधारित आजीविका योजनाओं को सगन्ध पौधा उत्पादन एवं प्रसंस्करण से जोड़ने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों को जागरूक करने के लिए सभी जनपदों में प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना जनवरी माह तक पूर्ण करने तथा समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए जनपदवार लक्ष्य तय करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सगन्ध पौधा केन्द्र के निदेशक डॉ. निर्पेंद्र चौहान ने बताया कि केन्द्र खुशबूदार फसलों के वाणिज्यीकरण के लिए एक सफल मॉडल के रूप में कार्य कर रहा है ,जहां खेती से लेकर प्रोसेसिंग, डिस्टिलेशन, मार्केटिंग एवं प्रशिक्षण तक की सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 5 नाली तक के किसानों को निःशुल्क रोपण सामग्री और 9 एरोमैटिक फसलों पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। पर्वतीय जनपदों में डिस्टिलेशन यूनिट व ड्रायर पर 75 प्रतिशत तथा मैदानी जनपदों में 50 प्रतिशत (अधिकतम 10 लाख रुपये) तक सब्सिडी उपलब्ध है। किसानों के लिए 27 एसेंशियल ऑयल एवं एरोमैटिक उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट की ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर रोक

नई दिल्ली। I-PAC रेड मामले में ED की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने CM ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से दो हफ्तों के भीतर जवाब मांगा और कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि सरकार ED के काम में दखल न डालें। एजेंसी को अपना काम करने दें। कोर्ट ने 3 फरवरी को अगली सुनवाई तक ED अधिकारियों के खिलाफ दर्ज FIR पर भी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इस मामले में कुछ बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब नहीं मिला तो अराजकता फैल सकती है। अगर केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए ईमानदारी से अपना काम कर रही हैं, तो क्या उन्हें राजनीति करके रोका जा सकता है? ED ने 8 जनवरी को तृणमूल कांग्रेस (TMC) के IT हेड और पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म (I-PAC) डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापा मारा था। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस दौरान CM ममता वहां बंगाल पुलिस के अफसरों के साथ पहुंचीं और अपने साथ सबूत लेकर चली गईं।

मकर संक्रांति- प्रयागराज में 91 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। देशभर के कई हिस्सों में गुरुवार को भी मकर संक्रांति मनाई जा रही है। संक्रांति को लेकर गंगा, यमुना और नर्मदा जैसी प्रमुख नदियों के तटों पर लाखों लोग सुबह से डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज माघ मेले में आज मकर संक्रांति का स्नान पर्व है। संगम में शाम बजे तक 91 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। आज करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। पतंगबाजी से 17 लोगों की मौत मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के दौरान लगातार हादसे भी सामने आ रहे हैं। बीते दो दिनों में गुजरात में में 9 और राजस्थान में 6, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में 1-1 लोगों की मौत हो चुकी है। यूपी के वाराणसी के गंगा घाट और पश्चिम बंगाल के गंगासागर में स्नान के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी है। पंजाब के अमृतसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सचखंड श्री दरबार साहिब में पवित्र स्नान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकर संक्रांति के अवसर पर अपने आवास पर गायों को चारा खिलाया। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल का तिल के तेल से अभिषेक हुआ। भस्म आरती में भी तिल चढ़ाया गया और तिल के लड्डुओं का भोग लगा।

दिल्ली में एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकराया

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह एअर इंडिया का विमान बैगेज कंटेनर से टकरा गया। एयरलाइन ने बताया कि घने कोहरे में एयरबस A350 विमान को पार्किंग के लिए ले जाया जा रहा था, तभी यह घटना हुई। हादसे में विमान के इंजन को नुकसान पहुंचा है। विमान में सवार सभी पैसेंजर और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। एयरबस A350 की फ्लाइट AI101 दिल्ली से न्यूयॉर्क के बीच चलती है। ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण फ्लाइट को अपना मार्ग बदलना पड़ा और वह वापस दिल्ली लौट आई थी। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की। कहा कि दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा। एयरलाइन के अनुसार, घटना के बाद विमान को सुरक्षित रूप से निर्धारित पार्किंग स्थान पर खड़ा कर दिया गया। सभी पैसेंजर और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। विमान को जांच और जरूरी मरम्मत के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। एयरलाइन ने चेतावनी दी है कि इससे कुछ A350 रूट्स पर उड़ानों में बाधा आ सकती है। साथ ही, प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था और रिफंड पर काम किया जा रहा है। एअर इंडिया ने कहा, हम पैसेंजर्स को उनकी पसंद के अनुसार वैकल्पिक यात्रा या रिफंड दिलाने में मदद कर रहे हैं। एअर इंडिया की सर्वोच्च प्राथमिकता सिक्योरिटी है। इस दौरान पैसेंजर्स को पूरा सहयोग दिया जाएगा।

श्रीनगर में पारा -5.2°, डल झील जमी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी जारी है। कश्मीर में न्यूनतम तापमान पिछले कई दिनों से शून्य से नीचे है। इसके कारण बुधवार को प्रसिद्ध डल झील और कश्मीर के कई जल स्त्रोत जम गए। श्रीनगर में मंगलवार की रात न्यूनतम तापमान -5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, राजस्थान में भी तापमान माइनस में पहुंच गया है। बुधवार को हिल स्टेशन माउंट आबू में तापमान माइनस 3 डिग्री रहा। सीकर के फतेहपुर में तापमान 0.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। राज्य में 19 जनवरी से हल्की बारिश की संभावना है। पहाड़ों से आ रही सर्द हवाओं ने हरियाणा में गलन बढ़ा दी है। यहां 8 जिलों में बुधवार को पारा 8 डिग्री तक गिर गया। हिसार में सर्दी का पिछले दो साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री दर्ज हुआ। हिसार में 15 जनवरी, 2025 को 3.5 डिग्री और 16 दिसंबर, 2024 को 1.1 डिग्री तक पहुंचा था। उत्तराखंड के हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में भीषण सर्दी के कारण गुरुवार को 12वीं क्लास तक के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट है। यहां नदी और झरनों में पानी जम गया है।

ऑपरेशन-सिंदूर में शहीद जवान की मां मेडल लेते बेहोश हुईं

जयपुर। जयपुर की सड़कों पर ब्रह्मोस मिसाइल, भीष्म, अर्जुन टैंक, पिनाका लॉन्चर, रोबोटिक डॉग्स का प्रदर्शन किया गया। आसमान में अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे ने दुश्मनों के होश उड़ाने वाले करतब दिखाए। नाल (बीकानेर) एयरबेस से उड़ान भरकर आए जगुआर फाइटर जेट की खूबियों से भी आमलोग रू-ब-रू हुए। आर्मी एरिया से बाहर पहली बार आर्मी-डे परेड गुरुवार को जयपुर में हुई। जगतपुरा के महल रोड पर हजारों लोग इस कार्यक्रम के साक्षी बने। उधर, ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 1 पैरा स्पेशल फोर्स के जवान लान्स नायक प्रदीप कुमार की मां सेना मेडल लेते हुए मंच पर बेहोश हो गईं। इन्हें सैन्य अधिकारियों ने संभाला। उन्हें तुरंत मंच से उतारकर एंबुलेंस से हॉस्पिटल ले जाया गया। परेड की शुरुआत ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों को सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित करने के साथ हुई थी। इसके बाद गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स ने परेड कमांडर को सलामी दी। अशोक चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित आर्मी ऑफिसर्स परेड को लीड कर रहे थे।

पाकिस्तान बोला-भारत से संघर्ष के बाद हमारे फाइटर-जेट्स डिमांड में

एजेंसी, इस्लामाबाद

दावा- 6 मुस्लिम देशों को JF-17 बेचने की बात चल रही, इसमें बांग्लादेश भी

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ का दावा है कि भारत के साथ पिछले साल मई में हुए संघर्ष के बाद पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों की डिमांड बढ़ गई है। रेडियो पाकिस्तान के मुताबिक, उन्होंने बुधवार को कहा किया कि कई देश पाकिस्तानी फाइटर जेट्स खरीदने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किन फाइटर जेट्स की डिमांड बढ़ी है। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कई देश पाकिस्तान JF-17 थंडर फाइटर जेट्स खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इनमें बांग्लादेश, सूडान, लीबिया, सऊदी अरब, इराक और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं।

इंडोनेशिया, बांग्लादेश और सऊदी अरब से डील कर रहा पाकिस्तानः रॉयटर्स के मुताबिक, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री ने 12 जनवरी को पाकिस्तान के वायु सेना प्रमुख जहीर अहमद बाबर सिद्धू से मुलाकात की और करीब 40 JF-17 खरीदने पर बात की। वहीं बांग्लादेश के अखबार डेली स्टार के मुताबिक, पाकिस्तान, बांग्लादेश को भी JF-17 फाइटर जेट बेचेगा। इसको लेकर दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच बातचीत हो चुकी है। इसी तरह रॉयटर्स की रिपोर्ट मे दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने 7 जनवरी को सऊदी अरब को JF-17 बेचने को लेकर बात की है। पाकिस्तान सऊदी अरब से मिले 2 अरब डॉलर के लोन के बदले यह सौदा कर रहा है। हालांकि, रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि पाकिस्तानी सेना ने अभी तक लीबिया या सऊदी अरब के साथ इस समझौतों को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। बांग्लादेश ने भी अभी तक पाकिस्तान के साथ किसी कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किए हैं।

नाइजीरिया, म्यांमार और अजरबैजान के पास पहले से JF-17 मौजूदः रॉयटर्स की 9 जनवरी को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 सालों में कई देशों ने पाकिस्तान का JF-17 थंडर फाइटर जेट खरीदने की इच्छा जताई है। नाइजीरिया, म्यांमार और अजरबैजान के मिलिट्री बेड़े में पहले से ही यह जेट शामिल है। अल-जजीरा के मुताबिक, इसके पहले पाकिस्तान ने दिसंबर 2025 में लीबिया के विद्रोही गुट, लीबियाई नेशनल आर्मी (LNA) को 4 अरब डॉलर में एक दर्जन से ज्यादा JF-17 फाइटर जेट बेचने का सौदा किया था। ये पाकिस्तान के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी हथियारों की डील कही जा रही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि पाकिस्तान सुडान के साथ भी 12,500 करोड़ रूपए की डिफेंस डील करने वाला है, जिसमें JF-17 फाइटर जेट भी शामिल हैं। पाकिस्तान सरकार के मुताबिक, JF-17 थंडर एक मल्टी-रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है।

रिपोर्ट- ईरान की ओर बढ़ रहा अमेरिकी वॉरशिप

- एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसेस अब्राहम लिंकन भी शामिल, वेनेजुएला में हमले से पहले ऐसे ही घेराबंदी की थी

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन के बीच अमेरिका ईरान के आस-पास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी में है। अमेरिकी नौसेना का USS अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ साउथ चाइना सी से मिडिल ईस्ट की ओर रवाना हो गया है। USS अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट न्यूज नेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, ये फैसला ईरानी एयरस्पेस के बंद होने के ठीक एक घंटे बाद लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्ट्राइक ग्रुप को चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए साउथ चाइना सी में तैनात किया था, लेकिन अब इसकी मूवमेंट देखी गई है। इसे मिडिल ईस्ट पहुंचने में करीब एक हफ्ता लग सकता है। हालांकि, अभी तक अमेरिकी अधिकारियों की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। अमेरिका ने वेनेजुएला में भी हमले से पहले इसी तरह तैनाती बढ़ाई थी।

मिडिल ईस्ट में कोई अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप तैनात नहींः न्यूज नेशन की व्हाइट हाउस संवाददाता केली मेयर ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह ग्रुप अब साउथ चाइना सी से सेंट्रल कमांड (CENTCOM) क्षेत्र की ओर जा रहा है। जो मिडिल ईस्ट, उत्तर-पूर्वी अफ्रीका, सेंट्रल एशिया और साउथ एशिया के 21 देशों को कवर करता है। फिलहाल मिडिल ईस्ट में कोई अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप मौजूद नहीं है। इससे पहले USS अब्राहम लिंकन साउथ चाइना सी में रूटीन ऑपरेशन कर रहा था।

मायावती बोलीं- ब्राह्मणों को चोखा-बाटी नहीं, सम्मान चाहिए

- बर्थडे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शॉर्ट सर्किट, धुआं भरा, बिना केक काटे वापस गईं

एजेंसी, लखनऊ

बसपा प्रमुख मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अफरा-तफरी के हालत बन गए। दरअसल, लखनऊ के पार्टी दफ्तर में मीडिया से बात करते वक्त हॉल की छत पर लगी लाइट में शॉर्ट सर्किट हो गया। चिनगारी निकलने लगी। देखते ही देखते हॉल में धुआं भर गया। कॉन्फ्रेंस हॉल में मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया। तुरंत ही सुरक्षाकर्मी हरकत में आए और अग्निशमन यंत्रों का इस्तेमाल कर हालात पर काबू पाया। तुरंत बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म कर दी गई। मायावती बिना केक काटे और मीडिया के सवाल लिए बिना ही रवाना हो गईं। इससे पहले बसपा सुप्रीमो ने भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर बड़ा बयान दिया। कहा- ब्राह्मण समाज को किसी का बाटी चोखा नहीं चाहिए। उन्हें सिर्फ सम्मान चाहिए। हमारी सरकार बनने पर ब्राह्मणों की चाहत पूरी की जाएगी। ब्राह्मण समाज को भी कांग्रेस, बीजेपी या सपा के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने बसपा की चुनावी रणनीति को लेकर भी बड़ा बयान दिया। कहा- बसपा पूरे देश में हर चुनाव अकेले ही लड़ेगी।

जम्मू-कश्मीर को दो अलग राज्य बनाने की मांग

एजेंसी, श्रीनगर

- सज्जाद लोन बोले- सौहार्दपूर्ण अलगाव पर विचार का समय, कश्मीर को आतंकवादी बताने वाला रवैये मंजूर नहीं

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने जम्मू और कश्मीर को दो अलग राज्यों में बांटने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अब दोनों क्षेत्रों के बीच सौहार्दपूर्ण अलगाव पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है। लोन ने कहा कि कश्मीर ऐसे क्षेत्रीय रवैये को बर्दाशत नहीं कर सकता, जो लगातार कश्मीरियों को बदनाम करता रहा। देश के बाकी हिस्सों में यह धारणा फैलाए कि जम्मू देश के साथ है और कश्मीर आतंकवाद का क्षेत्र है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री सज्जाद लोन ने यह बातें बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। कुछ दिन पहले भाजपा के जम्मू नॉर्थ से विधायक श्याम लाल शर्मा ने जम्मू को अलग राज्य बनाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि जम्मू अब कश्मीर का बोझ नहीं उठा सकता।

कश्मीर में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की मांगः लोन ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से कश्मीर के बडगाम में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (NLU) स्थापित करने का चुनावी वादा पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा यही है कि किए गए वादे को निभाया जाए और यूनिवर्सिटी बडगाम में ही रहे। लोन ने कहा कि अब दोनों क्षेत्रों के बीच प्रशासनिक व्यवस्था पर नए सिरे से विचार किया जाना चाहिए। शायद अब सौहार्दपूर्ण अलगाव का समय आ गया है। यह सिर्फ विकास से जुड़ा मामला नहीं है। जम्मू अब कश्मीर को निशाना बनाने का जरिया बन गया है।

लोन बोले- बिचौलियों की जरूरत नहींः लोन ने कहा कि कश्मीर का भारत के बाकी हिस्सों से जुड़ाव उन लोगों के जरिए नहीं हो सकता, जो लगातार कश्मीर की छवि खराब करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ना है, तो यह ऐसे बिचौलियों के जरिए नहीं हो सकता जो कश्मीरियों को लगातार बदनाम करते है। देश से कहते है कि कश्मीर आतंकवादी क्षेत्र है।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने कहा- कश्मीर में बदली भावनाएंः लोन ने कहा कि कश्मीर में क्षेत्रीय संबंधों को लेकर भावनाएं काफी बदल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण जैसे मुद्दों पर कश्मीरियों को पीछे किया जा रहा है।अब लोग इसे और सहन नहीं कर पा रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि कश्मीर में अलगाव की इच्छा पहले से कहीं ज्यादा बढ़ चुकी है। अब नेतृत्व को साफ-साफ बात कहने की जरूरत है। गौरतलब है कि हाल ही में भाजपा विधायक श्याम लाल शर्मा ने जम्मू को अलग राज्य बनाने की मांग कर विवाद खड़ा किया था। हालांकि बाद में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने इस बयान से दूरी बनाते हुए कहा था कि यह पार्टी का रुख नहीं है।

ट्रम्प बोले- गोल्डन डोम प्रोजेक्ट के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत, कुछ न कुछ हल निकालेंगे

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री बोली- अमेरिका का गुलाम नहीं बनना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को फिर से ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की अपनी इच्छा दोहराई है। उन्होंने कहा कि कुछ न कुछ हल निकल आएगा। ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को गोल्डन डोम नामक बड़े रक्षा प्रोजेक्ट के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया है। गोल्डन डोम अमेरिका का मिसाइल रक्षा प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट इजराइल के आयरन डोम से प्रेरित है। गोल्डन डोम का मकसद चीन, रूस जैसे देशों से आने वाले खतरे से अमेरिका को बचाना है। ट्रम्प का यह बयान व्हाइट हाउस में अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों के बीच हुई हाई कमेटी बैठक के बाद आया है। इस बैठक में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ। बैठक के बाद ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री विवियन मोट्जफेल्ड ने कहा कि उन्हें अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद है। लेकिन ग्रीनलैंड पर अमेरिका का राज स्वीकार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, "अमेरिका के साथ अपने सहयोग को मजबूत करना हमारे लिए ठीक है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम अमेरिका के गुलाम होना चाहते हैं।"

ट्रम्प बोले- NATO को हमारी मदद करनी चाहिएः उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड नहीं लिया, तो रूस या चीन इसे ले लेंगे और वे ऐसा कभी नहीं होने देंगे। ट्रम्प का कहना है कि NATO को इस मामले में आगे आना चाहिए और अमेरिका को ग्रीनलैंड दिलाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि ग्रीनलैंड अमेरिका के हाथ में होने से NATO और ज्यादा मजबूत और प्रभावी हो जाएगा।

ग्रीनलैंड पर चर्चा के लिए वर्किंग ग्रुप बनेगाः व्हाइट हाउस में बुधवार को हुई बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन और ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री विवियन मोट्जफेल्ट शामिल हुईं। इस बैठक में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ है। हालांकि, बैठक के बाद तीनों पक्षों ने ग्रीनलैंड से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए एक संयुक्त वर्किंग ग्रुप बनाने पर सहमति जताई, जिसकी बैठकें आने वाले हफ्तों में होंगी। रासमुसेन ने साफ कहा कि अमेरिका के साथ असहमति बनी हुई है। हमारा रुख काफी अलग है। उन्होंने ट्रम्प के ग्रीनलैंड को खरीदने या कब्जा करने के विचार को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा, 'हमने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि यह डेनमार्क के हित में नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश आर्कटिक में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं, जिसमें ग्रीनलैंड में और ज्यादा अमेरिकी सैन्य अड्डे बनाने की संभावना भी शामिल है।

रांची ईडी ऑफिस में जांच करने पहुंची झारखंड पुलिस

- अधिकारियों पर पूछताछ के नाम पर मारपीट का आरोप, सेंट्रल फोर्स के जवान बुलाए गए

एजेंसी, रांची

रांची के ED ऑफिस में झारखंड पुलिस जांच करने के लिए पहुंची है। दरअसल, ED के दो अफसरों पर एक व्यक्ति ने पूछताछ के नाम पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। ED दफ्तर में सदर DSP और एयरपोर्ट थाना के प्रभारी मौजूद हैं। वहीं ED ने सुरक्षा के लिहाज से सेंट्रल पुलिस फोर्सेस को बुलाया है। रांची पुलिस की ओर से अब भी जांच चल ही रही है।

पेयजल विभाग के कर्मचारी ने दर्ज कराई FIRः रांची के चुटिया के संतोष कुमार ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के दो अधिकारियों पर मारपीट, जानलेवा हमला, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाते हुए एयरपोर्ट थाना में FIR दर्ज कराई है। इस मामले में ED के असिस्टेंट डायरेक्टर प्रतीक और असिस्टेंट शुभम को आरोपी बनाया गया है। संतोष पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल रांची में कैशियर हैं। उन पर शहरी जलापूर्ति योजना की राशि में से 20 करोड़ रुपए से अधिक का गबन करने का आरोप है।

असम के छात्र के चेहरे पर मारे लात-घूंसे, नाक टूटी

- एमपी की आदिवासी यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुसकर पीटा, पीड़ित बोला- हत्या का डर

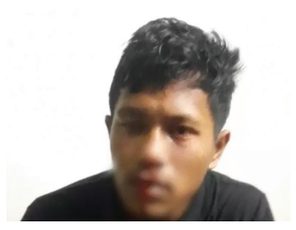

एजेंसी, अनूपपुर

मध्यप्रदेश के अनूपपुर स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय (IGNTU) के छात्रावास में असम के एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। छात्र का आरोप है कि कुछ युवक देर रात हॉस्टल के कमरे में घुसे और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। घटना के बाद छात्र डरा हुआ है और उसने जान का खतरा बताते हुए परीक्षा नहीं दे पाने की बात कही है। घटना 13 जनवरी की अलसुबह करीब 4 बजे जीजीबीएच हॉस्टल की है। पीड़ित छात्र हीरोस ज्योतिदास असम का रहने वाला है और IGNTU में इकोनॉमिक्स विषय में एमए कर रहा है। छात्र के अनुसार, पांच से छह युवक उसके कमरे में घुसे, नाम और राज्य पूछा और इसके बाद मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने उसके चेहरे पर लात-घूंसे मारे, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई और आंख-कान में भी गंभीर चोटें आईं।

केरल के एसएआई हॉस्टल में 2 खिलाड़ियों के शव मिलेफंदे से लटके थे

एजेंसी, स्पोर्ट्स डेस्क

- दोनों लड़कियों की उम्र 15-17 साल, सुसाइड नोट नहीं मिला

केरल के कोल्लम स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) हॉस्टल में गुरुवार को दो नाबालिग स्पोर्ट्स ट्रेनी के शव कमरे में फंदे से लटके मिले। पुलिस के मुताबिक, दोनों छात्राएं स्पोर्ट्स कोचिंग ले रहीं थी और हॉस्टल में ही रह रही थीं। मृत लड़कियों की पहचान कोझिकोड जिले की सैंड्रा (17) और तिरुवनंतपुरम जिले की वैष्णवी (15) के रूप में हुई है। सैंड्रा एथलेटिक्स की ट्रेनी थी और 12वीं में पढ़ रही थी, जबकि वैष्णवी कबड्डी खिलाड़ी थी और क्लास 10वीं की छात्रा थी। घटना से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दोनों के शव एक ही कमरे में लटके मिले घटना गुरुवार सुबह करीब पांच बजे सामने आई, जब हॉस्टल के बाकी साथी ट्रेनी स्पोर्ट्स प्लेयर्स ने देखा कि दोनों लड़कियां सुबह की ट्रेनिंग सेशन में नहीं आईं। दरवाजा बार-बार खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो हॉस्टल अधिकारी दरवाजा तोड़कर अंदर गए। वहां दोनों लड़कियां पंखों से लटकी मिलीं। पुलिस के अनुसार वैष्णवी अलग कमरे में रहती थी, लेकिन बुधवार रात वह सैंड्रा के कमरे में सोने आई थी। हॉस्टल की अन्य लड़कियों ने सुबह दोनों को देखा भी था। मौत का कारण अभी पता नहीं- पुलिस कोल्लम ईस्ट पुलिस अब जांच में जुटी है। अधिकारियों ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाली अन्य खेल छात्राओं, उनके ट्रेनर्स और दोनों लड़कियों के परिजन के बयान दर्ज किए जाएंगे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद शव परिजन को सौंप दिए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि मौत का कारण अभी पता नहीं चला है। यह सुसाइड है या कोई दूसरी वजह, यह जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। 11 साल पहले भी 4 विमेंस एथलीट ने सुसाइड की कोशिश की थी केरल के साई सेंटर में इससे पहले भी ऐसा मामला सामने आ चुका है। करीब 11 साल पहले अलापुझा स्थित साई सेंटर में वॉटर स्पोर्ट्स की ट्रेनिंग ले रहीं चार महिला एथलीट्स ने जहरीला फल खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। इन एथलीट्स ने अपने सीनियर्स और हॉस्टल वॉर्डन पर मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इस घटना में अपर्णा नाम की एक एथलीट की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला था, जिस पर सभी एथलीट्स के हस्ताक्षर थे।

28वां राष्ट्रमंडल संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन(सीएसपीओसी)14-16जनवरी2026-लोकतंत्र,तकनीक और नागरिक सहभागिता क़े वैश्विक विमर्श का समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» भारत में आयोजित यह सम्मेलन आने वाले वर्षों में राष्ट्रमंडल लोकतंत्रों के लिए दिशा-निर्देशक के रूप में याद किया जाएगा।

» राजनीतिक ध्रुवीकरण,फेक न्यूज,सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों का हस्तक्षेप क़े बीच सीएसपीओसी का आयोजन महत्वपूर्ण -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर जनवरी 2026 में भारत की राजधानी नई दिल्ली एक ऐसे ऐतिहासिक और बहुआयामी संसदीय आयोजन की साक्षी बनी, जिसने न केवल राष्ट्रमंडल देशों की संसदीय परंपराओं को एक साझा मंच प्रदान किया, बल्कि 21वीं सदी के लोकतंत्र के सामने खड़ी जटिल चुनौतियों पर सामूहिक वैश्विक चिंतन का अवसर भी दिया। राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का 28वां सम्मेलन, जिसे कॉमनवेल्थ स्पीकर्स एंड प्रेसाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस (सीएसपीओसी) कहा जाता है, अपने पैमाने, भागीदारी और विषयगत व्यापकता के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण आयोजन माना जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी यहमानता हूं क़ि यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक संसदीय बैठक नहीं था,बल्कि यह लोकतंत्र के भविष्य, संसदों की प्रासंगिकता, तकनीकी बदलावों के प्रभाव और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं पर एक गंभीर वैश्विक संवाद का मंच बनकर उभरा।बता दें सीएसपीओसी की स्थापना का मूल उद्देश्य राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के बीच संवाद, अनुभवों के आदान-प्रदान और श्रेष्ठ संसदीय प्रथाओं को साझा करना रहा है। यह मंच स्पीकर्स और पीठासीन अधिकारियों को इस बात पर विचार करने का अवसर देता है कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में संसदें किस प्रकार अपनी संवैधानिक भूमिका, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रख सकती हैं। 28वां सीएसपीओसी सम्मेलन इस परंपरा का विस्तार करते हुए एक ऐसे समय में आयोजित हुआ है, जब दुनियाँ भर में लोकतांत्रिक संस्थाएँ अनेक दबावों का सामना कर रही हैं राजनीतिक ध्रुवीकरण, फेक न्यूज़,सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों का हस्तक्षेप और नागरिकों का संस्थाओं पर घटता विश्वास। ऐसे संदर्भ में सीएसपीओसी का यह संस्करण केवल विमर्श का मंच नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक पुनर्संतुलन की दिशा में एक सामूहिक प्रयास के रूप में सटीक रूप से सामने आया।28वें सीएसपीओसी सम्मेलन का व्यापक कार्यक्रम 14 से 16 जनवरी 2026 के बीचआयोजित गतिविधियों और संसदीय संवादों की श्रृंखला के रूप में देखा गया, जबकि इसका औपचारिक और मुख्यआयोजन भारत की संसद द्वारा 14 से 16 जनवरी 2026 के बीच नई दिल्ली में आयोजित किया गया।भारत की संसद द्वारा इस सम्मेलन की मेजबानी अपने आप में एक महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक और कूटनीतिक संदेश देती है। दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत ने यह दर्शाया कि वह न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का सफल क्रियान्वयन करता है, बल्कि वैश्विक लोकतांत्रिक विमर्श का नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है।इस सम्मेलन की सबसे उल्लेखनीय विशेषता इसकी अभूतपूर्व भागीदारी रही। कुल 42 राष्ट्रमंडल देशों के 61 स्पीकर्स और पीठासीन अधिकारी, साथ ही चार सेमी-ऑटोनॉमस संसदों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इसेसीएसपीओसी

के इतिहास का सबसे बड़ा सम्मेलन बना दिया। यह विशाल भागीदारी इस बात का संकेत है कि राष्ट्रमंडल के भीतर संसदीय संस्थाएँ आज जिन चुनौतियों से जूझ रही हैं, वे साझा हैं और उनके समाधान भी सामूहिक संवाद और सहयोग से ही संभव हैं। विविध भौगोलिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पृष्ठभूमियों से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस मंच को वास्तव में वैश्विक और बहुसांस्कृतिक स्वरूप प्रदान किया। साथियों बात अगर हम इस सम्मेलन के मुख्य विषयःबदलती संसदीय भूमिका को समझने की करें तो सीएसपीओसी 2026 के विमर्श का केंद्रबिंदु रहा, स्पीकर्स और पीठासीन अधिकारियों की बदलती भूमिका।पारंपरिक रूप से स्पीकर की भूमिका सदन की कार्यवाही को निष्पक्ष रूप से संचालित करने तक सीमित मानी जाती रही है,किंतु आज यह भूमिका कहीं अधिक जटिल

और बहुआयामी हो गई है।आधुनिक लोकतंत्र में स्पीकर न केवल प्रक्रिया के संरक्षक हैं, बल्कि वे संस्थागत गरिमा, विपक्ष और सत्ता के बीच संतुलन,और संसद की सार्वजनिक छवि के भी संरक्षक बन चुके हैं। सम्मेलन में इस बात पर गहन चर्चा हुई कि कैसे स्पीकर्स राजनीतिक दबावों, सोशल मीडिया के त्वरित निर्णय- निर्माण वाले माहौल और बढ़ते सार्वजनिक ध्रुवीकरण के बीच अपनी निष्पक्षता बनाए रख सकते हैं।

साथियों बात अगर हम संसदीय कामकाज में तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव को समझने की करें तो,सम्मेलन के सबसे चर्चित औरभविष्यपरक विषयों में से एक रहा, संसद में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग। संसद में एआईः इनोवेशन निगरानी और अनुकूलन में संतुलन विषय पर आयोजित सत्र का नेतृत्व मलेशिया ने किया।इस सत्र में यह स्पष्ट किया गया कि एआई संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक कुशल, पारदर्शी और डेटा- आधारित बना सकता है,जैसे विधायी शोध,प्रश्नोत्तर प्रणाली, दस्तावेज़ प्रबंधन और नागरिक फीडबैक विश्लेषण।हालांकि, इसके साथ ही निगरानी,डेटा गोपनीयता एल्गोरिदमिक पक्षपात और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे गंभीर प्रश्न भी जुड़े हुए हैं।सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी कि एआई को संसद का सहायक बनाया जाना चाहिए, निर्णायक नहीं। तकनीक का उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करना होना चाहिए, न कि उन्हें कमजोर करना।सोशल मीडिया और सांसदों पर इसका प्रभाव-डिजिटल युग में सोशल मीडिया राजनीति और संसद दोनों के लिए एक शक्तिशाली लेकिन दोधारी तलवार बन चुका है। इस विषय पर आयोजित सत्र का नेतृत्व श्रीलंका द्वारा किया गया।चर्चा में यह सामने आया कि सोशल मीडिया ने सांसदों को सीधे जनता से जोड़ने का माध्यम तो दिया है, लेकिन इसके साथ ही त्वरित प्रतिक्रियाओं का दबाव,ट्रोलिंग, दुष्प्रचार और भावनात्मक राजनीति को भी बढ़ावा मिला है।कई देशों के प्रतिनिधियों ने साझा किया कि कैसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स कभी-कभी संसदीय प्राथमिकताओं और विधायी विमर्श को प्रभावित करने लगते हैं।इस सत्र का निष्कर्ष यह रहा कि सांसदों और स्पीकर्स के लिए डिजिटल साक्षरता, आचार संहिता और संस्थागत दिशानिर्देशों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

साथियों बात अगर कर हम मतदान से परे नागरिक सहभागिताः लोकतंत्र का विस्तार इसको समझने की करें तो, लोकतंत्र को केवल चुनाव और मतदान तक सीमित रखना आज की जटिल सामाजिक- राजनीतिक वास्तविकताओं में अपर्याप्त माना जा रहा है। इसी संदर्भ में संसद की सार्वजनिक समझ और मतदान से परे नागरिक भागीदारी को बढ़ानेके लिए अभिनव रणनीतियाँ विषय पर सत्र आयोजित किया, जिसमें नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका ने प्रमुख योगदान दिया।इस सत्र में नागरिक सभाओं, डिजिटल कंसल्टेशन, युवाओं की संसदीय सहभागिता, और संसद-नागरिक संवाद मंचों जैसे नवाचारों पर चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने इस बात पर बल दिया कि जब नागरिक स्वयं को केवल मतदाता नहीं, बल्कि नीति-निर्माण प्रक्रिया का सहभागी मानने लगते हैं, तभी लोकतंत्र वास्तव में सशक्त होता है।

साथियों बात अगर हम इस मंच से प्रधानमंत्री का उद्घाटन संबोधन को समझने की करें तो, भारतीय लोकतंत्र का वैश्विक संदेश 15 जनवरी 2026 को सुबह 10:30 बजे, नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर के संविधान सदन के केंद्रीय हॉल में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा 28वें सीएसपीओसी सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन किया गया। यह क्षण न केवल भारत के लिए,बल्कि पूरे राष्ट्रमंडल के लिए प्रतीकात्मक महत्व रखता था।पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में डेमोक्रेसी का अर्थ लास्ट माइल डिलीवरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं और चुनावों तकसीमित नहीं है, बल्कि उसका वास्तविक मूल्य तब सामने आता है जब शासन की नीतियाँ समाज के अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी भेदभाव के पहुँचती हैं। पीएम ने अपने भाषण में लोक कल्याण की भावना को भारतीय लोकतंत्र की आत्मा बताया। उन्होंने कहा कि इसी दृष्टिकोण के कारण पिछले कुछ वर्षों में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल सके हैं।यह कथन केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि का उल्लेख नहीं था, बल्कि यह उस मॉडल की ओर संकेत करता है जिसमें लोकतांत्रिक शासन को सामाजिक न्याय, समावेशन और विकास से जोड़ा गया है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए यह संदेश महत्वपूर्ण था कि लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब वह लोगों के जीवन में ठोस बदलाव लाता है। साथियों बात अगर हम भारत की लोकतांत्रिक भूमिकाः एक वैश्विक दृष्टिकोण इसको समझने की करें तो सीएसपीओसी 2026 के माध्यम से भारत ने स्वयं को केवल एक मेजबान देश के रूप में नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक विचारों के वैश्विक केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। भारत का अनुभव, विविधता, विशाल जनसंख्या, डिजिटल शासन और सामाजिक कल्याण अन्य राष्ट्रमंडल देशों के लिए सीख और प्रेरणा दोनों का स्रोत बना।सम्मेलन में यह स्पष्ट रूप से उभरा कि भारत लोकतंत्र का प्रयोगशाला ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के भविष्य पर विचार करने वाला एक प्रमुख वैश्विक हितधारक भी है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि 28वां राष्ट्रमंडल संसदीय अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आत्ममंथन का वैश्विक मंच था। तकनीक,सोशल मीडिया, नागरिक सहभागिता और संस्थागत भूमिका जैसे विषयों पर हुई चर्चाओं ने यह स्पष्ट किया कि लोकतंत्र स्थिर नहीं, बल्कि निरंतर विकसित होने वाली प्रक्रिया है।सीएसपीओएस 2026 ने यह संदेश दिया कि यदि संसदें प्रासंगिक रहना चाहती हैं, तो उन्हें नवाचार और परंपरा, स्वतंत्रता और जवाबदेही, तथा तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन साधना होगा। भारत में आयोजित यह सम्मेलन आने वाले वर्षों में राष्ट्रमंडल लोकतंत्रों के लिए दिशा-निर्देशक के रूप में याद किया जाएगा।

-संकलनकर्ता लेखक-क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

घर घर में साइलेंट किलर जरा सी चूक जीवन पर भारी

लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल

इन दिनों देश के अनेक भागों में कड़ाके की ठंड पड़ने से तापमान शून्य से भी नीचे चला गया है। ऐसे में ताप के लिए चंद लोग कमरों में अंगीठी जला कर सोने के कारण जहरीला धुआं चढ़ने से मृत्यु के शिकार हो रहे हैं।वहीं सैकड़ों लोग बिना वेंटिलेटर वाले बाथरूम में गैस गीजर का इस्तेमाल करने से आक्सीजन कम होने पर जान गंवा देते हैं। भारत के अलग-अलग हिस्सों से हर कुछ महीनों में एक जैसी खबरें सामने आती हैं। बाथरूम में नहाते समय गैस गीजर से निकली जहरीली गैस, दम घुटना और फिर अचानक बाथरूम में नहाने वाले की मौत हो जाना। ये खबरें चौंकाती जरूर हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद भुला दी जाती हैं। यही भूल सबसे खतरनाक है। क्योंकि गैस गीजर कोई अचानक खराब होने वाली मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसा खामोश खतरा है, जो ज़रा-सी लापरवाही पर जान ले सकता है। आपको पता हो कि कमरे में लकड़ी या कोयले की अंगीठी जला कर रखने से ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और कार्बन मोनोआक्साइड सीधे दिमाग पर असर डालती है, जो सांस के जरिए पूरे शरीर में फैल जाती है। इससे शरीर में हीमोग्लोबिन कम हो जाने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इसी कारण पिछले लगभग 2 सप्ताह में हुई ऐसी दर्दनाक मौतों की झड़ी लगी हैं। इसी तरह बाथरूम में गैस गीजर चलाने पर भी आक्सीजन कम हो जाता है और अनेक लोग हर साल जान गंवा देते हैं। कुछ दुखद घटनाओं की बानगी देखिए हाल ही में उत्तर प्रदेश के बदायूं में ऐसा ही दिल दहला देने वाला मामला सामने आया। असल में, सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शाहबाजुर जफा में रहने वाले सलीम अहमद के दो बेटे 11 साल का सयान और 4 साल का रयान, रोज़ की तरह सुबह करीब 10 बजे बाथरूम में नहाने गए थे। बाथरूम अंदर से बंद था और गैस गीजर चालू था। आपको बता दें कि 22 दिसंबर को यूपी केपीलीभीत में शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गुरुकुल पुरम में बाथरूम में गैस गीजर का प्रयोग करने के कारण ऑक्सीजन की मात्रा कम होने से डीआरडीए के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और उनकी पत्नी की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। नहाते समय पत्नी का दम घुटने पर पति उन्हें बचाने के लिए पहुंचा, लेकिन वह भी चपेट में आ गया और दोनों की मौत हो गई। दो जनवरी को पंजाब के शिवसेना नेता दीपक कंबुज की 22 वर्षीय पुत्री मुनमुन की बाथरूम में दम घुटने से मौत हो गई। 27 दिसम्बर, 2025 को छपरा (बिहार) में ठंड से बचने के लिए एक कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे 3 बच्चों और उनकी नानी की दम घुटने से मृत्यु हो गई तथा परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए। इस घटना में मारे गए तीनों बच्चे रिश्ते में भाई-बहन थे जो सर्दी की छुट्टियों में ननिहाल आए हुए थे 31 दिसम्बर, 2025 को गयाजी (बिहार) के कुर्किहार गांव में कमरे के भीतर ठंड से बचने के लिए दरवाजा और खिड़की बंद करके अंगीठी जला कर सो रहे सुजीत कुमार और अंशु कुमारी नामक भाई-बहन तथा उनकी नानी मीना देवी की दम घुटने से मौत हो गई। 8 जनवरी, 2026 को तरनतारन (पंजाब) में गुरमीत सिंह तथा उनकी पत्नी जसबीर कौर की ठंड से बचने के लिए जला कर कमरे में रखी लकड़ियों की गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई। 8 जनवरी, 2026 को ही पटौदी (हरियाणा) में ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी सुलगा कर सोना एक श्रमिक के परिवार पर आफत बन कर टूटा तथा दम घुटने से एक 11 वर्षीय बच्ची की मृत्यु एवं परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए। 9 जनवरी, 2026 को हजारीबाग (झारखंड) के बानादाग गांव में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे दम्पति की दम घुटने से जान चली गई। 9 जनवरी, 2026 को ही कोडरमा (झारखंड) के पूरना नगर में ठंड से बचने के लिए बंद कमरे में कोयला जला कर सो रहे पति-पत्नी वीरेंद्र शर्मा और कांति देवी की दम घुटने से मौत हो गई। 9 जनवरी, 2026 को ही उत्तर काशी (उत्तराखंड) के चाम्पकोट में कमरे में जल रही अंगीठी की गैस के कारण एक युवक की मृत्यु हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से बीमार हो गया। 10 जनवरी, 2026 को आरा (बिहार) के छोटकी सिंगरी गांव में एक कमरे में अपने माता-पिता और बहन के साथ ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो रहे 12 वर्षीय बच्चे बजरंगी सिंह की मौत हो गई जबकि उसके माता-पिता और बहन गंभीर रूप से बीमार हो गए।

सावरमती से आसमान तक पतंगों की बोली में भारत-जर्मनी की दोस्ती की नई ऊँचाई

लेखक-कांतिलाल मांडोत

साबरमती रिवरफ्रंट से जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने एक साथ पतंग उड़ाई, तो वह दृश्य केवल उत्तरायण के उल्लास का प्रतीक नहीं था, बल्कि भारत-जर्मनी संबंधों की उस उड़ान का संकेत भी था, जो संस्कृति से लेकर रणनीति और व्यापार से लेकर तकनीक तक नए आयाम छू रही है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव आईकेएफ-2026 का शुभारंभ एक ऐसे मंच पर हुआ, जहाँ रंगीन पतंगों के साथ-साथ कूटनीति, आर्थिक सहयोग और रक्षा साझेदारी के संदेश भी हवा में घुले हुए थे। अहमदाबाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पोल-हवेलियों की स्थापत्य झलक, पतंग संग्रहालय, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियाँ इन सबने मिलकर यह बता दिया कि भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति के साथ वैश्विक मित्रताओं को कैसे सशक्त करता है। उत्तरायण गुजरात की आत्मा से जुड़ा पर्व है। यह केवल पतंगबाजी नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, लोककला, संगीत और परंपरा का संगम है। जब इसी मंच पर जर्मनी के राष्ट्राध्यक्ष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, तो यह संदेश स्पष्ट था कि भारत अपने मित्र देशों को केवल औपचारिक बैठकों में नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धड़कन में भी आमंत्रित करता है। पोल और हवेली की प्रतिकृतियाँ, कारीगरों द्वारा पतंग निर्माण का जीवंत प्रदर्शन, गरबा रास, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम और मलखंब जैसी कलाओं की प्रस्तुतियाँ तथा भारतीय और जर्मन धुनों का समन्वय यह सब भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली प्रदर्शन था। ऐसी सांस्कृतिक कूटनीति रिश्तों को केवल समझौतों तक सीमित नहीं रहने देती, बल्कि उनमें भावनात्मक मजबूती भी जोड़ती है। इसी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बीच भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण अध्याय भी सामने आया। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को नई ऊँचाई देने वाली प्रोजेक्ट-75 की पनडुब्बी परियोजना इस साझेदारी का प्रतीक बनकर उभरी है। जर्मनी की प्रसिद्ध रक्षा कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और भारत के मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड के बीच पहले से हुए समझौते के तहत छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियों का निर्माण भारत में ही किया जाना प्रस्तावित है। लगभग 8 बिलियन डॉलर, यानी करीब 72 हजार करोड़ रुपये की यह डील भारतीय नौसेना के इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में गिनी जा रही है। इन पनडुब्बियों की खासियत एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक है, जो उन्हें लंबे समय तक बिना सतह पर आए समुद्र के भीतर ऑपरेशन करने में सक्षम बनाएगी। कम शोर, अधिक स्टील्थ और लंबी अवधि तक छिपे रहने की क्षमता यही वह गुण हैं, जिनकी भारतीय नौसेना को लंबे समय से तलाश थी। इस डील का महत्व केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है। इसका सीधा लाभ 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को मिलता है। निर्माण भारत में होने से देश के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी, कुशल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और तकनीकी ज्ञान का हस्तांतरण होगा। जर्मनी के लिए यह डील भारत जैसे बड़े और भरोसेमंद साझेदार के साथ दीर्घकालिक सहयोग का अवसर है, जबकि भारत के लिए यह समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन को मजबूत करने का साधन बनती है। बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा और समुद्री चुनौतियों के दौर में यह साझेदारी भारत की प्रतिरोधक क्षमता को नई धार देती है। भारत और जर्मनी के रिश्ते केवल रक्षा तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग भी निरंतर विस्तार पा रहा है। आज भारत में दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियाँ सक्रिय हैं, जो ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, रसायन, ऊर्जा, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। यह संख्या जर्मनी के भारत पर भरोसे और भारत के बढ़ते बाजार सामर्थ्य का प्रमाण है। द्विपक्षीय व्यापार की बात करें तो भारत और जर्मनी के बीच वार्षिक व्यापार लगभग 26 से 30 बिलियन डॉलर के बीच आंका जाता है, और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावनाएँ जताई जा रही हैं। जर्मनी से भारत मुख्य रूप से मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल और उनके पुर्जे, रसायन, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मेडिकल टेक्नोलॉजी और उन्नत इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। ये वे क्षेत्र हैं, जहाँ जर्मनी की तकनीकी दक्षता विश्वभर में प्रसिद्ध है। दूसरी ओर भारत जर्मनी को वस्त्र, परिधान, चमड़ा उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, आईटी सेवाएँ, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, कृषि-आधारित उत्पाद और इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात करता है। सेवा क्षेत्र में आईटी और डिजिटल समाधान भारत की मजबूत उपस्थिति को दर्शाते हैं, जबकि फार्मा और रसायन क्षेत्र भारत की विनिर्माण क्षमता का उदाहरण हैं। इस व्यापारिक रिश्ते का लाभ दोनों पक्षों को मिलता है। जर्मनी को भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुँच मिलती है, जहाँ युवा आबादी, बुनियादी ढांचे का विस्तार और औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएँ हैं। भारत को जर्मनी से उन्नत तकनीक, गुणवत्ता मानक और नवाचार का लाभ मिलता है, जो घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाता है। यही कारण है कि दोनों देश केवल पारंपरिक व्यापार तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि स्टार्टअप्स, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भी साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। कच्छ-सौराष्ट्र जैसे क्षेत्रों में निवेश और व्यापारिक सम्मेलनों के जरिए इस सहयोग को जमीनी स्तर तक ले जाने की कोशिश दिखाई देती है। बी-टू-बी और बी-टू-जी बैठकों में जिस तरह का उत्साह देखने को मिल रहा है, वह बताता है कि स्थानीय उद्यमी, कारीगर, स्टार्टअप्स और तकनीकी विद्यार्थी वैश्विक अवसरों से जुड़ने के लिए तैयार हैं। ऐसे आयोजनों में उद्योग, कृषि, मत्स्य पालन, पर्यटन, पर्यावरण, सस्टेनेबिलिटी और भविष्य की तकनीकों पर संवाद न केवल निवेश को आकर्षित करता है, बल्कि ज्ञान और नवाचार के आदान-प्रदान को भी गति देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मुलाकात के बाद यह स्पष्ट संदेश सामने आया कि भारत-जर्मनी साझेदारी बहुआयामी है। यह साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांतिपूर्ण सहयोग पर आधारित है। रक्षा क्षेत्र में विश्वास, व्यापार में परस्पर लाभ, तकनीक में साझेदारी और संस्कृति में आत्मीयता इन चार स्तंभों पर यह रिश्ता आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव जैसे मंच पर इसका प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारत अपनी कूटनीति को केवल बंद कमरों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे जन-उत्सवों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाता है। साबरमती के आसमान में उड़ी पतंगें इस बात की गवाह बनीं कि भारत और जर्मनी के संबंध केवल कागजी समझौतों तक सीमित नहीं हैं। यह एक ऐसी मित्रता है, जो संगीत की लय, नृत्य की मुद्राओं, कारीगरों की कला और रणनीतिक समझौतों आदि सबमें समान रूप से दिखाई देती है। आने वाले वर्षों में जब यह साझेदारी और गहरी होगी, तब शायद इन पतंगों की डोरें नए व्यापारिक मार्गों, नई तकनीकी खोजों और मजबूत रणनीतिक संतुलन से जुड़ी नजर आएँगी।

शब्द, संवेदना और संस्कृति का संगमः दिल्ली पुस्तक मेला-2026

लेखक- सुनील कुमार महला

स्वामी विवेकानंद जी ने यह बात कही है कि-पुस्तकें वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को दूर करती हैं।वास्तव में सच तो यह है कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे सच्ची मित्र होती हैं, जो बिना कुछ कहे हमें जीवन का सही मार्ग दिखाती हैं। अच्छी किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं और अज्ञान के अंधकार को दूर कर सोचने-समझने की शक्ति विकसित करती हैं। वे अनुभवों, विचारों और संस्कारों से हमें समृद्ध बनाती हैं तथा जीवन भर हमारा साथ निभाती हैं। सच ही कहा गया है कि पढ़ने की आदत मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारती है और उसे बेहतर इंसान बनाती है। वहीं पर पुस्तक मेला ज्ञान, विचारों और संस्कृति के आदान-प्रदान का जीवंत मंच होता है, जहां पाठकों को नई-पुरानी पुस्तकों, लेखकों और प्रकाशकों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलता है। यह पठन-पाठन की रुचि को बढ़ावा देकर समाज में बौद्धिक चेतना को मजबूत करता है। साथ ही, पुस्तक मेला साहित्य, शिक्षा और रचनात्मकता को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाता है। इस क्रम में,हाल ही में नई दिल्ली के भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में आयोजित दिल्ली विश्व पुस्तक मेला–2026 (53वां संस्करण) दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक है। यह भव्य आयोजन 10 जनवरी 2026 से 18 जनवरी 2026 तक, कुल 9 दिनों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस विशाल साहित्यिक उत्सव का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के सहयोग से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर का 53वां संस्करण भी शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट की ओर से ही आयोजित किया गया है।पाठकों को बताना चाहूंगा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 10 जनवरी 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर 2026 का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने पुस्तक 'द सागा ऑफ कुडोपालीः 1857 की अनकही कहानी' का विमोचन किया, जिसे हिंदी सहित कई भारतीय भाषाओं और स्पेनिश भाषा में प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक ओडिशा के संबलपुर क्षेत्र में वीर सुरेंद्र साई के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक विद्रोह और शहीदों के बलिदान को सम्मानित करती है। इस वर्ष का पुस्तक मेला कई मायनों में विशेष है, क्योंकि पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। मेले में 30 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक और लगभग 3000 स्टॉल शामिल हैं, जहाँ हिंदी, अंग्रेज़ी सहित अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं की पुस्तकों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। इस बार मेले की मुख्य थीम -'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और बुद्धिमत्ता @75' (इंडियन मिलिट्री हिस्ट्रीःवेलोर एंड विज्डम) रखी गई है, जिसके अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, इतिहास और योगदान को साहित्य और प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।थीम मंडप लगभग 1000 वर्ग मीटर में फैला एक अत्याधुनिक इमर्सिव (त्रि-आयामी) अनुभव प्रदान करता है, जहाँ भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के 75 वर्षों के गौरवशाली इतिहास को जीवंत रूप में दर्शाया गया है। यहाँ अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस के आदमकद मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जो मेले के प्रमुख आकर्षण हैं। साथ ही, देश के 21 परमवीर चक्र विजेताओं को विशेष श्रद्धांजलि भी दी गई है।इस पुस्तक मेले में 600 से अधिक साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, लेखक संवाद, कवि सम्मेलन तथा बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिससे यह मेला लेखकों, प्रकाशकों और पाठकों के लिए एक भव्य साहित्यिक उत्सव बन गया है। आज के डिजिटल, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में जब पुस्तकों के प्रति रुचि कम होती जा रही है, ऐसे समय में यह मेला विशेष रूप से युवाओं (जेन-जेड) और बच्चों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।मेले में कला और संस्कृति, इतिहास, सिनेमा, व्यक्तित्व और जीवनियाँ, भूमि और लोग, गांधीवादी साहित्य तथा बाल साहित्य जैसे विविध विषयों पर पुस्तकें उपलब्ध हैं। प्रीमियम पुस्तकों की श्रेणी में 'राष्ट्रपति भवन श्रृंखला', राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के चयनित भाषण, महात्मा गांधी की रचनाएँ तथा पंडित मदन मोहन मालवीय की रचनाएँ विशेष रूप से शामिल हैं। पुस्तकों के समृद्ध संग्रह के साथ-साथ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रकाशन विभाग भी मेले में अपनी प्रसिद्ध पत्रिकाएँ योजना, कुरुक्षेत्र, आजकल और बाल भारती प्रदर्शित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, आगंतुक यहाँ से रोजगार समाचार की वार्षिक सदस्यता भी खरीद सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला एक अत्यंत लोकप्रिय और प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देश-विदेश के नामचीन प्रकाशक भाग लेते हैं। यहाँ पुस्तक विमोचन, लेखक से मिलने के कार्यक्रम, युवाओं और बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनका आगंतुक भरपूर आनंद लेते हैं। कालजयी कृतियों से लेकर समकालीन लेखन, बाल साहित्य, अनुवाद और विचारोत्तेजक चर्चाओं तक, यह मेला प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों को एक जीवंत मंच पर एकत्र करता है।वास्तव में, पुस्तकें ज्ञान की वाहक होती हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं।

विराट का नंबर वन का ताज खतरे में

न्यूजीलैंड का बल्लेबाज सिर्फ एक अंक पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार विराट कोहली हाल ही में आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में नंबर एक बनकर लौटे थे, लेकिन अब उनका यह ताज लंबा नहीं टिकने वाला लगता है। न्यूजीलैंड के धुरंधर बल्लेबाज डेरिल मिचेल बस एक अंक की दूरी पर कोहली को पछाड़ सकते हैं। कोहली के हालिया प्रदर्शन और रैंकिंग अपडेट ने यह दर्शाया है कि तीसरे वनडे मैच में ही नई रैंकिंग तय हो सकती है।विराट कोहली ने अक्टूबर 2025 से अपने वनडे करियर में शानदार वापसी की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में नाबाद अर्धशतक से शुरुआत करते हुए, उन्होंने लगातार चार मैचों में 50 से अधिक रन बनाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलकर कोहली ने फिर से नंबर वन का ताज हासिल किया। इस लगातार प्रदर्शन के चलते उनके 785 रेटिंग पॉइंट्स के साथ यह दूसरी बार हुआ है जब उन्होंने 2021 के बाद नंबर 1 वनडे बल्लेबाज का स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ कोहली वनडे में 11वीं बार नंबर 1 बल्लेबाज बने और कुल 825 दिनों तक यह मुकाम बनाए रखा – किसी भी भारतीय खिलाड़ी के लिए सबसे लंबा रिकॉर्ड।न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल फिलहाल विराट कोहली से सिर्फ एक अंक पीछे हैं। मिचेल ने पहले वनडे में 71 गेंदों पर 84 रन बनाए, जिससे वह रैंकिंग में तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंचे। इसके बाद दूसरे वनडे में उन्होंने नाबाद 131 रन की धमाकेदार पारी खेली। इस नजदीकी मुकाबले के चलते तीसरे वनडे का नतीजा ही तय करेगा कि नंबर वन बल्लेबाज कौन होगा।

मुझे हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया: गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें इस बात पर काफी हैरानी हुई कि राजकोट में दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को इतनी आसानी से कैसे हरा दिया और रविवार को तीसरे और आखिरी मैच में घरेलू टीम को अपनी टीम कॉम्बिनेशन के साथ एक्सपेरिमेंट करने की आजादी नहीं दी। डेरिल मिशेल की नाबाद 131 रनों की पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने राजकोट में दूसरे वनडे में सीरीज बराबर करने वाली जीत हासिल की, क्योंकि मेहमान टीम ने 7 विकेट बाकी रहते 285 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। अब सीरीज का फैसला इंदौर में होगा। गावस्कर ने जियोस्टार के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर कहा, 'मुझे हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया, क्योंकि जब उन्होंने बैटिंग शुरू की, तो सभी को लगा था कि भारत पिच की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा। उनके (न्यूजीलैंड के) गेंदबाजों ने सिर्फ स्पिनरों ने ही नहीं, बल्कि सभी ने पिच की धीमी गति का अच्छे से इस्तेमाल किया, ऐसा लगा कि भारत न्यूजीलैंड को लगभग 260 या 270 रनों पर रोक पाएगा। मुझे लगा था कि यह भारत के लिए आसान जीत होगी।' गावस्कर ने मिशेल की तारीफ की कि उन्होंने विल यंग (87) के साथ मिलकर 162 रनों की साझेदारी की जिसने मैच भारत से छीन लिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने दिखाया कि लगभग 300 रनों के टोटल का पीछा कैसे किया जा सकता है, समय लेकर सेट होने के बाद अपनी स्ट्रोक-मेकिंग क्षमता पर भरोसा करके और विकेटों के बीच दौड़कर।'गावस्कर ने कहा कि सीरीज के फाइनल में भारत पर दबाव होगा और उनके पास यशस्वी जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को आजमाने की गुंजाइश नहीं है जिन्हें इंदौर मैच में शामिल किया जा सकता था। उन्होंने कहा, '...अगर वे यह मैच जीत जाते, तो उनके पास थोड़ा एक्सपेरिमेंट करने की आजादी होती, शायद उन खिलाड़ियों को मौका देते जो अब तक नहीं खेले हैं। जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को भी थोड़ा मौका मिल सकता था। यह सब मुमकिन हो सकता था। लेकिन अब वे कोई चांस नहीं ले सकते। उन्हें फिर से अपनी सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन के साथ खेलना होगा।'

बांग्लादेश में क्रिकेटरों की हड़ताल से संकट, नहीं हुए मैच, बोर्ड झुका, डायरेक्टर को नोटिस दिया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्डने अपने क्रिकेटरों के बायकॉट की धमकी के बाद आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। बीसीबी ने अपने डायरेक्टर एम. नजमुल इस्लाम के विवादित 'इंडिया एजेंट' कमेंट पर बांग्लादेशी क्रिकेटरों से खेद जताते हुए माफी मांगी है। साथ ही इस्लाम को इस मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। हालांकि इस मुद्दे पर एकजुट हुए बांग्लादेशी क्रिकेटर फिलहाल शांत होते हुए नहीं दिख रहे हैं। क्रिकेटरों की संस्था सीडब्ल्यूएबी ने नजमुल इस्लाम के इस्तीफा देने तक बायकॉट जारी रहने का ऐलान किया है। इसके चलते ढाका क्रिकेट लीग में गुरुवार सुबह के लिए शेड्यूल चारों मैच शुरू नहीं हो पाए हैं। साथ ही गुरुवार शाम को बांग्लादेश प्रीमियर लीग के मैचों पर भी संकट खड़ा हो गया है। बता दें कि मुस्तफिजुर रहमान को से निष्कासित करने के बाद बांग्लादेश ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच भारत से शिफ्ट करने की मांग रखी हुई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने फिलहाल ये मांग नहीं मानी है। इसे लेकर बांग्लादेश और भारत के बीच विवाद चल रहा है। ऐसे में कई बांग्लादेशी क्रिकेटरों ने बयान दिए थे, जिसके बाद बीसीबी डायरेक्टर नजमुल इस्लाम ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल समेत कई क्रिकेटरों को 'इंडिया एजेंट' कहकर पुकारा था। इस पर क्रिकेटर भड़के हुए हैं।

वेसली सो नें जीता टाटा स्टील इंडिया ब्लिट्ज़ का खिताब

कोलकाता, एजेंसी। यूएसए के ग्रांड मास्टर वेसली सो नें टाटा स्टील इंडिया ब्लिट्ज़ का खिताब अपने नाम कर लिया है , अंतिम तीन राउंड मे भारत के अर्जुन एरीगैसी को पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम कर लिया । वहीं भारत के निहाल सरीन नें रैपिड के बाद ब्लिट्ज़ में भी शानदार खेल दिखाते हुए दूसरे स्थान हासिल किया और अर्जुन तीसरे स्थान पर रहे । दोनों प्रतियोगिताओ में निहाल सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी रहे । रैपिड जहां 9 राउंड का टूर्नामेंट था तो ब्लिट्ज़ कुल 18 राउंड का मुक़ाबला था और 15वें राउंड तक अर्जुन की जीत तय नजर आ रही थी पर अर्जुन का अंतिम राउंड में फिसलना यहाँ भी जारी रहा और पहले नीमन हंस फिर प्रज्ञानन्दा से हारकर वह खिताब की दौड़ में पिछड़ गए ।

फीफा वर्ल्ड कप: 50 करोड़ टिकट्स की डिमांड !

लेकिन क्या फीफा विश्व कप पर बढ़ रही है सुरक्षा को लेकर चिंता?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए टिकट रिक्वेस्ट 500 मिलियन पार कर गई हैं, जो वैश्विक उत्साह को दर्शाती हैं। लेकिन महंगे टिकट, सुरक्षा चिंताओं और अमेरिकी राजनीतिक अस्थिरता ने फैंस में बेचैनी पैदा कर दी है। हजारों फैंस टिकट प्रोसेस से बाहर हुए हैं और फीफा अब सुरक्षा व प्रतिष्ठा को लेकर इमरजेंसी प्लानिंग कर रहा है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर दुनियाभर में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। फीफा के मुताबिक, सिर्फ एक महीने में 500 मिलियन (50 करोड़) से ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट दर्ज की गईं। यह संख्या खुद में रिकॉर्ड है और बताती है कि दुनिया आज भी वर्ल्ड कप को लेकर कितनी दीवानी है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो ने कहा, 'महज एक महीने में पांच लाख टिकटों के लिए अनुरोध आना सिर्फ मांग से कहीं अधिक है।

सुरक्षा और अशांति पर सवाल

उत्साह के साथ चिंता की एक परत भी जुड़ रही है। अमेरिकी शहरों में राजनीतिक तनाव, गोलीबारी की घटनाएं और कानून-व्यवस्था को लेकर आशंकाएं फैंस को हतोत्साहित कर रही हैं। रोया न्यूज के मुताबिक, 16,800 फैंस ने टिकट प्रोसेस से खुद को रातोंरात बाहर कर लिया, जिनमें से कई ने सोशल मीडिया पर बॉयकॉट कैंपेन को समर्थन दिया। कई विदेशी समर्थकों ने सुरक्षा, पुलिसिंग और संभावित अशांति की चिंताओं का हवाला दिया। मिनियापोलिस में आईसीई संबंधी गोलीबारी घटना के बाद फैंस के बीच डर और बढ़ गया।

नितीश कुमार रेड्डी हुए बाहर

तीसरे वनडे के लिए न्यूज़ीलैंड के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार वापसी की और 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया। अब दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मैच 18 जनवरी यानी रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा।

तीसरे वनडे मैच में भारत के पास सीरीज जीतने का मौका होगा, लेकिन इसके लिए भारतीय टीम को काफी संभलकर खेलने की जरूरत होगी क्योंकि दूसरे वनडे में कीवी टीम में शानदार क्रिकेट खेली थी और भारत को हर डिपार्टमेंट में मात दी थी। दूसरे वनडे को लेकर सुनील गावस्कर ने साफ तौर पर कहा था कि भारत ने अच्छी बैटिंग नहीं की (केएल राहुल को छोड़कर) साथ ही भारत ने पहले हाफ में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन फिर भारत की गेंदबाजी लड़खड़ा गई।होल्कर स्टेडियम के पिच की बात करें तो ये आमतौर पर बहुत सपाट होती है और गेंद, बल्ले पर काफी अच्छी तरीके से आती है जिससे रन बनाना आसान हो जाता है।

व्यापार

दनादन तीसरी बार बोनस शेयर बांट रही कंपनी, मिलेंगे 5 फ्री शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। जोन्जुआ ओवरसीज अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने जा रही है। जोन्जुआ ओवरसीज दनादन तीसरी बार बोनस शेयर बांटने जा रही है। कंपनी अपने निवेशकों को 5 :40 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। यानी, कंपनी हर 40 शेयर पर 5 बोनस शेयर बांटेगी। जोन्जुआ ओवरसीज ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 23 जनवरी 2026 तय की है। जोन्जुआ ओवरसीज के शेयर बुधवार 14 जनवरी को बीएसई में गिरावट के साथ 5.57 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयर अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर के करीब ही हैं। जोन्जुआ ओवरसीज लिमिटेड अपने शेयरधारकों को तीसरी बार बोनस शेयर बांटने जा रही है। कंपनी ने इससे पहले अक्टूबर 2023 में 9 :50 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 50 शेयर पर 9 बोनस शेयर बांटे थे। कंपनी ने पिछले साल जुलाई में भी 1 :20 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 20 शेयर पर निवेशकों को 1 बोनस शेयर बांटा था। अब कंपनी 5 :40 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। जोन्जुआ ओवरसीज लिमिटेड (छ्वश्चुद्भह्वड्ड ह्र1द्गह्म्ह्यद्गड्डह्य) के शेयर पिछले कुछ महीनों से दबाव में हैं। कंपनी के शेयर पिछले 6 महीने में 51 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। जोन्जुआ ओवरसीज के शेयर 15 जुलाई 2025 को 11.47 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 14 जनवरी 2026 को बीएसई में 5.57 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले एक महीने में जोन्जुआ ओवरसीज के शेयरों में 31 पर्सेंट की गिरावट आई है। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयर 20 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। जोन्जुआ ओवरसीज लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 12.38 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 5.51 रुपये है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 42.93 पर्सेंट है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 57.07 पर्सेंट है।

क्रेडिट कार्ड पर ब्याज घटाने के डोनाल्ड ट्रंप के फरमान पर बैंकिंग सेक्टर में तीखी हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्रेडिट कार्ड ब्याज दरों को सीमित करने के प्रस्ताव ने अमेरिका के बैंकिंग सेक्टर में तीखी हलचल पैदा कर दी है। उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से लिए गए इस कदम के खिलाफ देश के बड़े बैंकों के सीईओ खुलकर मैदान में उतर आए हैं। उनका कहना है कि यह फैसला न केवल बैंकिंग उद्योग बल्कि पूरी अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। ट्रंप ने संकेत दिया है कि वे क्रेडिट कार्ड ब्याज दरों पर एक साल के लिए 10 प्रतिशत की सीमा लागू करना चाहते हैं। मध्यावधि चुनावों से पहले 'किफायती लागत' को बड़ा मुद्दा बनाते हुए राष्ट्रपति उपभोक्ताओं को राहत देने का दावा कर रहे हैं। हालांकि बैंकिंग सेक्टर का मानना है कि यह फैसला बाजार आधारित व्यवस्था के खिलाफ है और इससे वित्तीय प्रणाली में अनिश्चितता बढ़ेगी। ट्रंप प्रशासन के शुरुआती कदमों को बैंकों ने राहत के रूप में देखा था। जुलाई में 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' पर हस्ताक्षर के बाद कर कटौती के नए दौर की शुरुआत हुई और उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो के बजट में लगभग आधी कटौती कर दी गई। इसके साथ ही नियामकीय ढील के एजेंडे ने बैंकों और बड़े कॉरपोरेट को संतुष्ट किया था। लेकिन क्रेडिट कार्ड ब्याज दरों पर सीमा लगाने के प्रस्ताव ने इस रिश्ते में दरार डाल दी है। बीएनवाई मेलॉन के सीईओ रॉबिन विंस ने चेतावनी दी कि ब्याज दरों में राजनीतिक हस्तक्षेप से फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर सवाल उठेंगे। उनका कहना है कि इससे बॉन्ड बाजार की नींव हिल सकती है और ब्याज दरें घटने के बजाय बढ़ सकती हैं। बैंकों की साझा चिंता यह है कि अगर फेड पर भरोसा कमजोर पड़ा तो उधारी की लागत और महंगी हो सकती है। डेल्टा एयरलाइन्स के सीईओ एड बैस्टियन ने चेतावनी दी कि ब्याज दरों पर सीमा लगाने से सबसे ज्यादा नुकसान कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं को होगा।

दोपहिया गाड़ियों की बिक्री दो करोड़ के पार

- टीवीएस को सबसे ज्यादा फायदा
- यह बिक्री 2018 के रेकॉर्ड 2.1 करोड़ यूनिट्स के स्तर से कम है।

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में दोपहिया गाड़ियों की बिक्री पिछले साल 2 करोड़ के पार पहुंच गई। भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माताओं के संगठन के आंकड़ों के अनुसार यह 2024 की लगभग 1.9 करोड़ यूनिट्स की बिक्री से करीब 5 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि यह बिक्री 2018 के रेकॉर्ड 2.1 करोड़ यूनिट्स के स्तर से कम है। 2025 में दोपहिया वाहनों का निर्यात 24.2 प्रतिशत बढ़कर रेकॉर्ड 49.4 लाख यूनिट्स तक पहुंच गया। अफ्रीका में बाजार की रिकवरी, दक्षिण एशिया में लगातार मांग और मोटरसाइकिल की मांग में आई तेजी से निर्यात को बढ़ावा मिला। हीरो मोटोकॉर्प भारत में सबसे बड़ी दोपहिया वाहन कंपनी बनी हुई है। 2025 में इसकी बिक्री 2 प्रतिशत बढ़कर 57.5 लाख यूनिट्स हो गई। होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री भी करीब दो फीसदी की तेजी के साथ 54 लाख यूनिट रही। सबसे ज्यादा फायदे में टीवीएस मोटर रही। 2025 में कंपनी की बिक्री 15.7 प्रतिशत बढ़कर 39.8 लाख यूनिट्स हो गई। हालांकि बजाज ऑटो की बिक्री 5.1 फीसदी गिरकर 22.2 लाख यूनिट रही।

42 लाख सस्ती मिलेगी लग्जरी गाड़ी, अमेरिका के बाहर केवल भारत में होगी असेंबलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। जर्मनी की लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज–बेंज भारत में अपने अल्ट्रा–लक्जरी एसयूवी मॉडल जीएलएस मेबैक का स्थानीय स्तर पर उत्पादन शुरू करेगी। इसके साथ ही भारत अमेरिका के बाहर ऐसा एकमात्र देश बन जाएगा, जहां इस मॉडल की स्थानीय असेंबली की जाएगी। मर्सिडीज–बेंज इंडिया के एमडी एवं सीईओ संतोष अय्यर का कहना है कि वर्ष 2025 में भारत कंपनी के मेबैक ब्रांड के लिए दुनिया के शीर्ष पांच बाजारों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत में मेबैक सीरीज के सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल है, जिसे फिलहाल अमेरिका के अलबामा स्थित टस्कालूसा प्लांट से आयात किया जाता है। अय्यर के मुताबिक स्थानीय असेंबली शुरू होने के बाद इस मॉडल की कीमत घटकर 2.75 करोड़ रुपये रह जाएगी, जबकि अभी इसकी कीमत 3.17 करोड़ रुपये है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में स्थानीय उत्पादन शुरू करने का मतलब अमेरिका में उत्पादन को बंद करना नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिका में उत्पादन जारी रहेगा। भारत में असेंबली स्थानीय जरूरतों को पूरा करने के लिए है।

पेटीएम में म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी पहली बार घटी, रिटेल इन्वेस्टर लगातार बेच रहे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में देश के म्यूचुअल फंड्स ने अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में अपनी हिस्सेदारी घटा ली है। कंपनी ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर अपने ताजा शेयरधारिता पैटर्न में यह जानकारी दी है। यह नवंबर 2021 में सूचीबद्ध होने के बाद पहला मौका है जब म्यूचुअल फंड्स ने अपनी हिस्सेदारी कम की है। इससे पहले तक उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही थी। सीएनबीसी टीवी 18 की खबर के मुताबिक रिटेल शेयरधारक लगातार सातवीं तिमाही से इस शेयर को बेच रहे हैं और उनकी हिस्सेदारी लगातार घट रही है। दिसंबर तिमाही के अंत में देश के म्यूचुअल फंड्स की पेटीएम में हिस्सेदारी 14.96 प्रतिशत रह गई, जबकि सितंबर तिमाही के अंत में यह 16.25 प्रतिशत थी। दो लाख रुपये तक शेयरधारिता रखने वाले छोटे निवेशकों की हिस्सेदारी सितंबर 2023 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। सितंबर तिमाही में मोतीलाल ओसवाल एमएफ, निप्पॉन इंडिया एमएफ, मिराए एसेट एमएफ और बंधन एमएफ पेटीएम में हिस्सेदारी रखने वाले प्रमुख फंड थे। दिसंबर तिमाही में पहले तीन फंड हाउसों ने अपनी हिस्सेदारी घटा ली, जबकि बंधन एमएफ का नाम सूची में नहीं है। इसका मतलब यह है कि या तो उसकी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से नीचे आ गई है या उसने शेयर बेच दिया है। वन97 कम्युनिकेशंस में मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड की होल्डिंग सितंबर तिमाही में 5.57 प्रतिशत थी। दिसंबर तिमाही में यह घटकर 4.96 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिडकैप फंड की हिस्सेदारी 2.11 से घटकर अब 1.64 प्रतिशत रह गई है। मिराए एसेट लार्जकैप फंड की हिस्सेदारी 1.66 प्रतिशत से घटकर 1.56 प्रतिशत रह गई है। पेटीएम के शेयर ने 16 फरवरी 2024 को आरबीआई की कार्रवाइयों को लेकर चिंता में 318 रुपये का रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ था। इसके बाद नियामक चिंताओं के कम होने और पेटीएम पेमेंट्स बैंक को पेमेंट एग्रीगेटर लाइसेंस मिलने से शेयर में तेजी आई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)